संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
शुक्रवार
21 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 148
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी बातें

NIA ने 3 चिकित्सकों, धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया, आतंकवादी हमले में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली- राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आज को 3 चिकित्सकों और एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में ले लिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे।

विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। एनआईए प्रवक्ता के एक बयान के अनुसार आतंकवाद रोधी जांच एजेंसी ने यहां पटियाला हाउस अदालत में जिला सत्र न्यायाधीश के पेशी आदेश के बाद उन्हें श्रीनगर में हिरासत में ले लिया। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा कि इन सभी ने आतंकवादी हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

उनकी हिरासत एनआईए को सौंपे जाने के साथ ही केंद्रीय एजेंसी द्वारा आरोपित लोगों की संख्या छह हो गई है। एनआईए ने 11 नवंबर को आधिकारिक तौर पर इस मामले को अपने हाथों में लिया था। एनआईए पहले ही दो लोगों आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को गिरफ्तार कर चुकी है। डॉ. उमर-उन-नबी विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था और उसने कथित तौर पर अली के नाम पर कार खरीदी थी। वानी को तब गिरफ्तार किया गया जब यह पता चला कि उमर उसे आत्मघाती हमलावर बनने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा था। हालांकि वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ, लेकिन उस पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से सक्रिय सदस्य के तौर पर जुड़ने की सहमति देने का आरोप है।

अदील से पूछताछ में पता चला कि उमर एक ''कट्टरपंथी'' था और इस बात पर जोर दे रहा था कि उनके अभियानों के लिए एक आत्मघाती हमलावर जरूरी है। इसके बाद श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में एक टीम भेजी और वानी को हिरासत में ले लिया। वानी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि पिछले साल अक्टूबर में कश्मीर के कुलगाम की एक मस्जिद में उसकी मुलाकात ''डॉक्टर मॉड्यूल'' से हुई थी। इस वर्ष अप्रैल में वानी अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को हराम मानने की अपनी आस्था का हवाला देते हुए आत्मघाती हमलावर बनने की योजना से पीछे हट गया था। जांच के दौरान फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में 2,900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया था।

दसवीं बार नीतीश कुमार

पटना- दो दशक में दसवीं बार! श्री नीतीश कुमार ने लोकतंत्र की जननी कहीं जाने वाली भूमि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को लगभग दो दशक में दसवीं बार शपथ लेकर देश की राजनीति में एक नया कीर्तिमान बनाया है।

ढ़लती उम्र, थकान और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ लंबे समय तक शासन में रहने से लोकप्रियता में कमी की अटकलों को दरकिनार करते हुए हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में श्री कुमार ने राज्य की राजनीति में अपने निरंतर प्रभाव और जनता के भरोसे की एक बार फिर पुष्टि की।

लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद इस चुनाव में वह अपनी सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा का सामना कर रहे थे। जातीय खानाजंगी और राजनीति के अपराधीकरण के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले बिहार प्रांत में 'सुशासन बाबू' के रूप में पहचान बनाने वाले और बिहार में अपनी स्वच्छ एवं ईमानदार छवि के कारण वह गठबंधन की राजनीति में एक मुख्य धुरी बने हुए हैं।

हाल के समय में मीडिया से नीतीश से दूरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा 'अचेत मुख्यमंत्री' कहे जाने और प्रशासन पर नौकरशाही के हावी होने के आरोपों के बावजूद बिहार के मतदाताओं ने उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को इस बार एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है।

बिहार में जनादेश की बहार में 'नीतीशे कुमार' पर जनता ने एक बार फिर ऐतबार जता दिया।

छह महीने पहले तक जहां नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे और विपक्षी दल महागठबंधन मजबूत दिख रहा था, चुनाव नतीजों ने उनके खिलाफ तमाम अटकलें को हवा-हवाई साबित कर दिया। नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी बिहार के राजनीतिक रंगमंच के सबसे दमदार और सरदार अदाकार हैं। राजग की इस बार की जीत सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार की जनता की निरंतरता और स्थिरता की चाहत का प्रमाण है। जनता ने फिर से कहा है , "बिहार में बहार है, नीतीशे कुमार हैं..."

नीतीश कुमार अपनी जनसभाओं, रैलियों में कहते , "2005 से पहले कुछ था... कोई काम किया है, ऊ लोग (राजद)....कोई शाम के बाद निकल पाता था... ।"

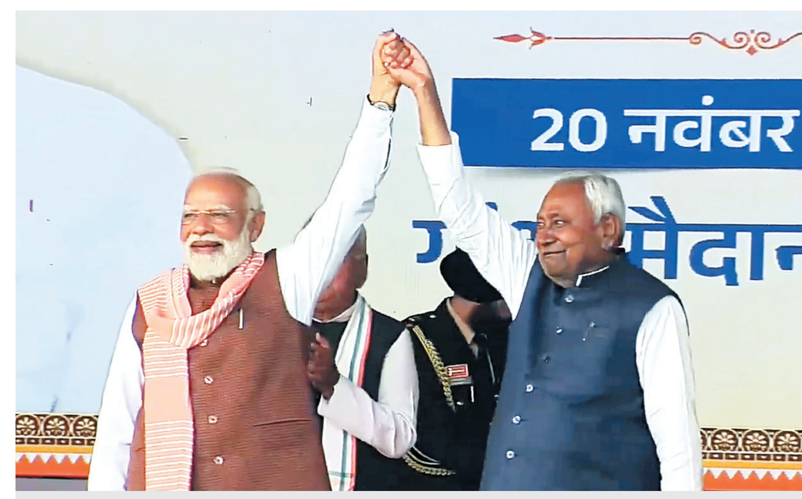

शपथ मंच पर गूंजा 'मोदी-नीतीश हिट', जीत को लेकर लोगों ने रखे अपने- अपने पक्ष

पटना- बिहार की राजधानी पटना में गुरुवार को उत्साह, ऊर्जा और उम्मीदों से भरे दिन के बीच राज्य के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोगों का जोश देखने लायक था। मंच से बज रहे चुनावी लोकगीत 'जोड़ी मोदी अउर नीतीश जी के हिट हो गईल' ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। धुन शुरू होते ही समारोह स्थल तालियों और नारों से गूंज उठा। समारोह में पहुंचे अरवल के राम गोविंद सिंह ने इस भारी बहुमत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का नतीजा बताया। उनके अनुसार, 'मोदी जी के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली ने ही बिहार में यह बड़ा जनादेश दिलाया है।'

नीतीश कहते रहे कि 'सब हम लोग कितना काम किए जी...।'

श्री नीतीश कुमार का लगातार पांचवां विधानसभा चुनाव जीतना और 10वीं बार मुख्यमंत्री बनना, भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में, जहां भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद की जाती है, वहीं बिहार ने बार-बार दोहराये जाने वाले चेहरे पर अपना विश्वास दिखाया है।

इस बार राजग में भाजपा और जदयू ने बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा और राजग ने उन्हें फिर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में आगे रख कर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्री नीतीश कुमार की छवि का फायदा मिला। राजग ने 2010 के 200 से अधिक सीटों को जीतने के प्रदर्शन को दोहराया। कभी बिहार में भाजपा के बड़े भाई की भूमिका में रहे जदयू को इस बार छोटे भाई की भूमिका में देखा जा रहा था। चुनाव से पहले यह व्यापक रूप से माना जा रहा था कि श्री मोदी की स्थायी लोकप्रियता और भाजपा का राष्ट्रीय प्रभुत्व ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सबसे बड़ी ताकत होगी, जो श्री नीतीश कुमार की घटती लोकप्रियता की भरपाई कर सकती है।

पंजाब विधान सभा स्पीकर ने नवनिर्वाचित विधायक हरमीत सिंह संधू को शपथ दिलाई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने पंजाब विधान सभा सचिवालय में तरनतारन विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक श्री हरमीत सिंह संधू को पद की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हरमीत सिंह संधू अपने क्षेत्र की जनता की जायज मांगों को पूरा करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

श्री हरमीत सिंह संधू ने शपथ ली कि वे विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेंगे तथा भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखेंगे। उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से पालन करेंगे तथा अपने क्षेत्र की भलाई के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

स्पीकर ने हाल ही में तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले विधायक श्री हरमीत सिंह संधू को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

अल फलाह के पूर्व छात्र की कड़ी, जांच में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली- लाल किले के पास हाल में हुए कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने आज बताया बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उन्होंने बताया कि 2014 में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के एक सूत्र ने कहा कि इस घटनाक्रम ने जांच एजेंसियों को बेग से जुड़े नेटवर्क की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है।

मुख्यमंत्री ने नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के चरण स्पर्श प्राप्त 142 गांवों और शहरों के विकास के लिए 71 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए

धूरी (संगरूर)- नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित प्रयासों के तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरु साहिब जी द्वारा गुरू साहिब के चरण-स्पर्श प्राप्त राज्य के 142 गांवों और शहरों के विकास के लिए 71 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए।

आज यहां चेक वितरण समारोह के दौरान इसे पंजाब सरकार का विनम्र प्रयास बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु साहिब जी की शहादत, महान जीवन और दर्शन के आगे ये प्रयास बहुत ही मामूली हैं, परंतु पंजाब सरकार गुरु साहिब जी के प्रति श्रद्धा और सम्मान के रूप में अपना दायित्व निभा रही है। उन्होंने बताया कि इन ग्रांटों का उपयोग बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, संगत के लिये सुविधाओं, पवित्र स्थलों के आने-जाने के मार्गों के सौंदर्यीकरण तथा अन्य आवश्यक विकास कार्यों में किया जाएगा, ताकि इन गांवों और शहरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रयास गुरु साहिब जी के पवित्र स्थलों की देखभाल, उनके प्रचार-प्रसार तथा संगत के लिए बेहतर सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है।

आज के कार्यक्रम में मालवा, दोआबा और माझा क्षेत्रों से गांवों और शहरों के सरपंचों, काउंसलरों तथा अन्य निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों को चेक सौंपे गए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नौवें सिख गुरु जी के 350वें शहीदी दिवस को मनाना हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। गुरु जी ने मानवता की रक्षा के लिए अप्रतिम बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें अपने जीवन में इन महान आयोजनों का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाल पुरख ने इस महान कार्य में अपनी सेवा निभाने के लिए पंजाब सरकार पर असीम कृपा की है और सरकार इस नेक कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने लोगों से श्री गुरु तेग़ बहादुर जी द्वारा मानवता के लिए दिखाए गए मार्ग पर चलने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस पवित्र अवसर को श्रद्धा भावना के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरु साहिब जी का शांति, मानवता, प्रेम और भाईचारे का सार्वभौमिक संदेश आज के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी अत्यंत प्रासंगिक है।

मुख्यमंत्री ने नौंवे पातशाह जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित 23 से 25 नवंबर तक श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले कार्यक्रमों में पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि इन आयोजनों में संगत की सुविधा के लिए सभी प्रबंध किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि श्रीनगर से और पंजाब के तीन शहरों, फरीदकोट, गुरदासपुर और तलवंडी साबो, से नगर कीर्तन रवाना हो चुके हैं, जो लगभग पूरे राज्य के शहरों से होकर गुजरेंगे।

हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन': सलाखों के पीछे पहुंचे 4000 से अधिक अपराधी, 874 कुख्यात भी चंगुल में

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस द्वारा प्रदेश को भयमुक्त और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' अपराधियों के लिए काल साबित हो रहा है। पुलिस की मुस्तैदी और जनसेवा के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि पिछले 14 दिनों से जारी इस विशेष अभियान ने अब तक कुल 4071 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है । कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह अभियान एक मील का पत्थर है, जहाँ पुलिस ने न केवल कुख्यात अपराधियों पर नकेल कसी है, बल्कि अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की है। यह आँकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि हरियाणा पुलिस की उस प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं जो राज्य के हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात तत्पर है।

एक ही दिन में अपराधियों पर 18 नवंबर के दिन पुलिस की कार्रवाई विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जहाँ राज्य भर में व्यापक स्तर पर छापेमारी और धरपकड़ की गई। पुलिस ने अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' के तहत 106 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस की यह कार्रवाई यहीं नहीं रुकी, बल्कि अन्य विभिन्न मामलों में संलिप्त 217 अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया । इस प्रकार, संदिग्ध अपराध में संलिप्त कुख्यात अपराधियों की कुल गिरफ्तारी का आँकड़ा अब 874 तक पहुँच चुका है, जबकि अन्य मामलों में गिरफ्तार अपराधियों की संख्या 3197 हो गई है ।

विस्तृत जानकारी देते हुए आईजी एससीबी राकेश आर्य ने बताया कि संगीन अपराधों और अवैध हथियारों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस अपराध की दुनिया में हथियारों के बल पर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। इसी कड़ी में आर्म्स एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 मामले दर्ज किए गए और 39 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया । हत्या के प्रयास (अटेम्प्ट टू मर्डर) के 18 मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 29 आरोपियों को दबोचा है, जबकि हत्या जैसे जघन्य अपराध के 6 मामलों में 7 अपराधियों को गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया गया है ।

- **106 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने में मिली सफलता।**
- **आर्म्स एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई, 33 मामले दर्ज और 39 आरोपी गिरफ्तार।**
- **झज्जर जिले में सर्वाधिक 13 मामलों में 16 अपराधियों को किया गिरफ्तार।**

झज्जर, गुरुग्राम ने मारी बाज़ी, हिस्ट्रीशीट खोलने में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई

जिलावार कार्रवाई पर नज़र डालें तो सफलता की इस कहानी में झज्जर पुलिस ने सबसे अग्रणी भूमिका निभाई है। झज्जर जिले में पुलिस ने बेहतरीन कार्यशैली का परिचय देते हुए सर्वाधिक 13 मामलों में 16 अपराधियों को गिरफ्तार किया है । वहीं, साइबर सिटी गुरुग्राम की पुलिस ने भी 9 मामलों में 11 अपराधियों को और जींद पुलिस ने 4 मामलों में 9 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुँचाया।

अपराधियों की निगरानी और प्रशासनिक शिकंजा

गिरफ्तारियों के साथ-साथ पुलिस ने अपराधियों के भविष्य की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भी एक ठोस रणनीति तैयार की है। अभियान की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि पुलिस ने चार्जशीट और हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया में बड़ी तेजी दिखाई। एक ही दिन में 77 नई हिस्ट्रीशीट (पर्सनल फाइल) खोली गई हैं, जो इस पूरे अभियान के दौरान अब तक की दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई है । इसके साथ ही अब कुल खोली गई हिस्ट्रीशीट्स की संख्या 337 तक पहुँच गई है । इस का उद्देश्य आदतन अपराधियों की कड़ी निगरानी करना है ताकि वे जमानत पर बाहर आने के बाद दोबारा अपराध करने का दुस्साहस न कर सकें।

करनाल पुलिस का एक्शन: सागा म्यूजिक और सीएनजी पंप गोलीबारी के कुख्यात आरोपी गिरफ्तार

करनाल पुलिस ने आज जिले में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है।

राज्यपाल ने की विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद व नशामुक्त भारत अभियान के समापन समारोह की अध्यक्षता

- युवाओं को अपना और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाना होगा
- युवाओं की ऊर्जा भारत को 2047 तक बनाएगी विकसित राष्ट्रः राज्यपाल

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी में आयोजित 'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद एवं नशामुक्त भारत अभियान' कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, जिज्ञासा और सृजनात्मक शक्ति ही भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में युवाओं की भूमिका सबसे प्रमुख है। युवा देश के सपनों को गति देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि छात्र-छात्राएं शिक्षा को केवल करियर का माध्यम न समझें, बल्कि समाज परिवर्तन, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा का साधन बनाएं। अपने अंदर नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रीयता की भावना का विकास करें। जब युवा सक्रिय होते हैं, राष्ट्र प्रगति करता है।

उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले वर्ष तक जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश में स्टार्टअप, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष अनुसंधान और बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार युवाओं की सहभागिता का परिणाम है। एक विकसित, सशक्त और नशामुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब युवा जागरूक, अनुशासित और समर्पित हों। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का मार्ग आप ही से होकर जाता है। अपनी क्षमता पर विश्वास रखें, अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं और नशे जैसी बुराइयों से स्वयं भी दूर रहें तथा दूसरों को भी बचाएं।

श्री शुक्ल ने नशामुक्ति पर जोर देते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सिंथेटिक ड्रग्स के जाल में फंसाने की एक सोची-समझी कोशिश की जा रही है, जिससे बचाने के लिए समाज को साथ आना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि हमें नशे के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी। युवाओं को गलत आदतों से बचाने के लिए जागरूकता, संवाद, परिवार का सहयोग और शैक्षिक संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि नशे से दूर रहें, खेल, योग, संगीत, कला और सकारात्मक गतिविधियों से जीवन को ऊंचा उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से उन्होंने नशामुक्त हिमाचल अभियान शुरू किया और उच्च शैक्षणिक संस्थानों से प्रारंभ यह अभियान अब पंचायत स्तर तक पहुंच चुका है। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान में प्रदेश सरकार के ठोस एवं सार्थक प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय में योग और खेल गतिविधियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय ज्ञान, शोध और राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है, जहां युवाओं की ऊर्जा और संकल्प भारत के भविष्य को नई दिशा देते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की टीम को किए जा रहे सार्थक कार्यों के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में लगाए गए रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया और विकसित भारत व नशामुक्त भारत विषय पर छात्रों द्वारा तैयार चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने सरदार पटेल की प्रेरणादायक यात्रा को छायाचित्रों के माध्यम से संकलित करती एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भारत व नशामुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित कहानी लेखन, भाषण, चित्रकला और कविता पाठ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को राज्यपाल ने सम्मानित किया। कहानी लेखन में एमएलएसएम डिग्री कॉलेज सुन्दरनगर के चंदन जस्वाल ने प्रथम, लंबा थाच की पुनम ठाकुर ने द्वितीय और जागृति बीएड कॉलेज मंडी की प्रोमिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में वल्लभ महाविद्यालय मंडी की उर्मिता ठाकुर प्रथम, एसपीयू की सोनाक्षी द्वितीय और जागृति बीएड कॉलेज की प्रिंयका तृतीय रही। चित्रकला प्रतियोगिता में एसपीयू के ध्रुव ने प्रथम, जागृति बीएड कॉलेज की आशा ने द्वितीय और एमएलएसएम की मिनाक्षी ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता पाठ में राजकीय महाविद्यालय रिवालसर की पूजा शर्मा प्रथम, एमएलएसएम सुन्दरनगर के शौरभ और एंजलीना द्वितीय और वल्लभ महाविद्यालय मंडी के ओजस्वी तृतीय स्थान पर रहे।

राज्यपाल ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि युवाओं की प्रतिभा और उनका संकल्प विकसित भारत की दिशा तय करेगा। सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी तथा विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद व नशामुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण राजेश कुमार ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया जबकि कुल सचिव शशिपाल नेगी ने सभी का धन्यवाद किया। छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत व नशामुक्त भारत पर लघु नाटिका, कविता तथा भाषण भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विधायक और पूर्व मंत्री अनिल शर्मा, महापौर नगर निगम मंडी वीरेंद्र भट्ट शर्मा, राज्यपाल के सचिव सीपी वर्मा, पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा, एडीएम डॉ. मदन कुमार, एसडीएम मंडी रुपिंदर कौर, कुल सचिव शशि पाल नेगी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

शाहपुर में महिलाओं के लिए तीन माह का निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण आरंभ

- आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त पहल..20 महिलाएँ लाभान्वित

शाहपुर। क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्व-रोज़गार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (JICA Project) के तहत तीन माह का निशुल्क सिलाई व कढ़ाई प्रशिक्षण आई.टी.आई शाहपुर में नवम्बर माह से शुरू किया गया। खंड परियोजना प्रबंधक अधिकारी डॉ. अंकिता शर्मा ने बताया कि यह प्रशिक्षण जापान की आधिकारिक विकास सहायता (ODA) के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। कोर्स का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, युवतियों और रोजगार की तलाश में लगी प्रतिभागियों को सिलाईङ्कढ़ाई, परिधान निर्माण, पैटर्न कटिंग और आधुनिक डिजाइनिंग जैसी तकनीकों में दक्ष बनाना है ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के लिए डढम्ब, पुहाडा, कुठेड़ ,भलेड, कलयाड़ा और केटलू पंचायतों की 20 महिलाओं का चयन किया गया है। प्रशिक्षण में सिलाई मशीन संचालन, फॉल-पीको, ब्लाउज़ व कुर्ती डिजाइनिंग समेत कई प्रायोगिक कौशल सिखाए जा रहे हैं। दैनिक व्यावहारिक कक्षाएँ प्रतिभागियों को वास्तविक अनुभव प्रदान कर रही हैं। प्रशिक्षण पूरा होने पर सभी महिलाओं को प्रमाणपत्र व टूल किट प्रदान की जाएगी, ताकि वे तुरंत अपना कार्य शुरू कर सकें। साथ ही प्रतिभागियों को स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय बाज़ारों एवं अन्य सूक्ष्म उद्यम अवसरों से जोड़ने के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ऊना जिला के गांव टाहलीवाल में आज सुबह हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। इस हादसे में दो लोग घायल भी हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की भी प्रार्थना की।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला में राष्ट्रीय शोध कार्यशाला का आयोजन

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला में आयोजित पी.एम. ऊषा मेरु द्वारा वित्त पोषित शोध प्रविधि, मानविकी एवं वाणिज्यिक विषय पर आधारित साप्ताहिक कार्यशाला के चतुर्थ दिवस पर उच्च शिक्षा विभाग से सेवानिवृत आचार्य डॉ. प्रेम भारद्वाज ने अनुसंधान डिजाइन और अनुसंधान परियोजना तथा क्षेत्र अध्ययन विधियाँ विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाजशास्त्र को शोध आधारित वैज्ञानिक विधि द्वारा जानने पर बल दिया तत्पश्चात् कार्यशाला के तृतीय सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, राजनीति विज्ञान विभाग से प्रो. मृदुला शारदा ने सामाजिक विज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकी में अनुसंधान विषय तथा चतुर्थ सत्र में अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कमल सिंह ने डेटा विश्लेषण एसटीएटीए, एसपीएसएस सहित विषय पर व्याख्यान दिया। मंच का संचालन वाणिज्य विभाग के समन्वयक और कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. कुलदीप चन्देल ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधिवत् सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक प्रो. कुलदीप अत्री कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सह संयोजक के रूप में डॉ. कुलदीप चन्देल, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. राजकुमार, डॉ. तिलकराज, डॉ. सुखवीर, डॉ.विपिन, डॉ. रोहित वर्मा तथा कंचन बाला उपस्थित रहे।

कदरेटी पुल से पीरबिन्दली रोड 26 नवम्बर तक यातायात के लिए बंद रहेगा

धर्मशाला। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि देहरा उपमंडल के अन्तर्गत कदरेटी पुल से पीरबिन्दली सड़क के मरम्मत कार्य के चलते यह मार्ग 26 नवंबर 2025 तक हर प्रकार के यातायात के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। इस दौरान गाड़ियों की आवाजाही के लिए वाया बस्सा-जरपाल बलदोआ-हारचकियाँ-लंज तथा सपेल-करलू-परगोर- हारचकियाँ-लंज मार्गो का उपयोग किया जाएगा। उन्होने लोगों से सहयोग की अपील की है।

जोरावर स्टेडियम सिद्धबाड़ी से कनेड चौक रोड यातायात के लिए 26 नवंबर से 05 दिसंबर 2025 रहेगा बंद

धर्मशाला। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि विधानसभा भवन, तपोवन (धर्मशाला) में होने वाली शीतकालीन विधानसभा सत्र के चलते 26 नवंबर से 05 दिसंबर 2025 तक जोरावर स्टेडियम सिद्धबाडी से कनेड चैक मार्ग यातायात के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा। उन्होने लोगों से सहयोग की अपील की है।

एसजेवीएन ने हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों के मध्य ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोज़न किया

शिमला। एसजेवीएन ने अपने कारपोरेट मुख्यालय, शिमला में हिमाचल प्रदेश के स्कूली विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने स्थायी ऊर्जा प्रथाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाने में विद्यार्थियों, अध्यापकों, अभिभावकों और एसजेवीएन द्वारा किए गए संयुक्त प्रयासों की भी सराहना की।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के माननीय स्पीकर, श्री कुलदीप सिंह पठानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता की। श्री अजय कुमार शर्मा , निदेशक(कार्मिक), एसजेवीएन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ माननीय स्पीकर का हार्दिक स्वागत किया। प्रदर्शनी गैलरी के निरीक्षण के दौरान, माननीय स्पीकर ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली पेंटिंग्स का अवलोकन किया और ऊर्जा संरक्षण से संबद्ध विषयों को प्रदर्शित करने में विद्यार्थियों की अप्रतिम क्रिएटिविटी के

इस अवसर पर, श्री अजय कुमार शर्मा ने अवगत करवाया कि विद्युत मंत्रालय के तहत, एसजेवीएन ने स्कूल और राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करने में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, राज्य सरकार, राज्य शिक्षा विभाग, और अन्य एजेंसियों के साथ प्रभावी सहभागिता की है। वर्ष 2005 से हिमाचल प्रदेश के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय अभियान को आगे बढ़ाने और प्रारंभ से ही स्थायी प्रथाओं की संस्कृति को बढ़ावा देने में एसजेवीएन अहम भूमिका निभा रहा है।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, माननीय स्पीकर ने ग्रुप ए (कक्षा 5वीं-7वीं) और ग्रुप बी (कक्षा 8वीं-10वीं) दोनों के लिए 50,000/- रूपए, 30,000/- रूपए, और 20,000/- रूपए के क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए । प्रत्येक श्रेणी में 7,500/- रूपए के दस प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। सभी प्रतिभागियों ने मोमेंटो, 2,000/- रूपए की प्रतिभागिता राशि और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एलईडी बल्ब प्राप्त किए।

अभियान के पहले चरण, स्कूल स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में, इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों के 4825 स्कूलों के 2,23,917 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की । इनमें से, दूसरे चरण के लिए प्रत्येक श्रेणी से 55 सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग्स को एक विख्यात निर्णायक समिति (जूरी) ने राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए चयनित किया । तीसरे और अंतिम चरण में, दोनों श्रेणियों में राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता स्टेट के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेता दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस अर्थात् दिनांक 14 दिसंबर, 2025 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा, जहां विजेताओं को भारत के माननीय राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने तीन वर्षों में 26 हजार करोड़ रुपये राजस्व किया एकत्रित

शिमला। राज्य कर एवं आबकारी विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग ने पिछले तीन वर्षों में राजस्व संग्रह में निरंतर वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में विभाग ने इन तीन वर्षों में 26,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र किया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 10,248.56 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किया गया। वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 10,880.57 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में विभाग ने सितंबर 2025 तक 5,536.30 करोड़ रुपये राजस्व संग्रह किया है।

यह दर्शाता है कि वर्ष 2022-23 की तुलना में जी.एस.टी/एक्साइज/वेट/पी.जी.टी. तथा अन्य करों से प्राप्त राजस्व लगातार बढ़ रहा है, जो राज्य सरकार के सुधारों से बेहतर कार्यकुशलता और अनुपालन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विभाग की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने के लिए कई सुधार लागू किए हैं। इसमें वर्ष 2023-24 और 2024-25 में शराब ठेकों के आवंटन के लिए नीलामी-कमदृटेंडर प्रणाली शामिल है। इस पहल से आबकारी राजस्व में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 के 2,147.04 करोड़ रुपये से बढ़कर यह 2023-24 में 2,631.30 करोड़ रुपये और वर्ष 2024-25 में 2,776.41 करोड़ रुपये हो गया।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा कार अपना मूल/संशोधित प्रस्ताव निर्धारित समापन समय एवं तिथि तक प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई भी निविदा मैन्युअल रूप से स्वीकार नहीं की जाएगी। निविदा संख्याः NR-Proj-UMB-25011A **कार्य का नामः** उत्तर रेलवे के मुरादाबाद डिवीजन (188.65 आरकेएम/377.30 टीकेएम) के सहारनपुर–मुरादाबाद खंड के बीच मौजूदा 1x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए फीडर कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग''.

लगभग लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	कार्य पूरा करने की अवधि (महीने)	निविदा दस्तावेज की लागत (रु.)	निविदा बंद की तिथि	निविदा खुलने की तिथि	प्री–बिड काफ्रेंस
84.54Cr.	43,77,100/-	24	NIL	30.12.2025 at 15:00 Hrs	30.12.2025 at 15:30 Hrs	हाँ

बिडिंग प्रणाली	बिडिंग टाइप	स्वतः एलिमिनेशन नियम लागू	प्रारंभिक कूलिंग ऑफ़ पीरियड (एचएचःएमएम)	मिनियम डीक्रिमेंट %	सब्सिकुयंट कूलिंग ऑफ़ पीरियड (एचएच : एमएम)
दो पैकेट पद्धति	टू स्टेज रिवर्स ऑक्सन	हाँ	04:00	0.2	00:20

कार्य की समान प्रकृतिः ''50 हर्ट्ज, एकल चरण 25 केवी एसी ओएचई या 2x25 केवी ओएचई कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग''. निविदा दस्तावेज रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं और इन्हें वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। ई–टेंडरिंग के संबंध में बयाना राशि/धरोहर राशि जमा (Bid security) और निविदा दस्तावेज लागत (TDC) केवल नेट बैंकिंग और भुगतान गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। सॉफ्टवेयर (आई.आर.ई.पी.एस.) में बैंक खाता संख्या और तकनीकी विवरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिन तक संभावित पंजीकृत निविदा कर्ताओं को निविदा के समय पहुंच होगी। **नोटः**– तकनीकी और वित्तीय पात्रता और अन्य सभी नियम और शर्तें, निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती हैं और रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

निविदा सूचना क्रमांकः NR/Proj/UMB/Advt./13 तारीख : 19.11.2025 3603/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सहकारी क्षेत्र प्रदेश की आर्थिकी को मज़बूत बनाने में अहम : डॉ. शांडिल

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि सहकारी क्षेत्र की प्रदेश की आर्थिकी को मज़बूत बनाने में अहम भूमिका है। डॉ. शांडिल आज यहां लक्ष्मी सिंह सहकारी परिसर में 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के अवसर पर आयोजित ज़िला स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने कहा कि सहकारी क्षेत्र जहां प्रदेश की आर्थिकी को और मज़बूत बना रहा है वहीं युवाओं विशेषकर ग्रामीण युवाओं को रोज़गार व स्वरोज़गार के बेहतर अवसर भी प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में कार्यरत बैंक प्रदेश की आर्थिकी और शिक्षित युवाओं को ऋण प्रदान करने में महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने सहकारी समितियों से जुड़े सभी व्यक्तियों को पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह समितियां व्यापक स्तर पर परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ बना रही हैं और कार्य में पारदर्शिता एवं ईमानदारी इनका मूल मंत्र होना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश से ही देश में

सहकारिता आंदोलन की शुरूआत हुई थी। अब प्रदेश को इस दिशा में और मज़बूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकरी क्षेत्र दुग्ध उत्पादन के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार व स्वरोज़गार के अनेक अवसर सृजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि ज़िला सोलन में कुल 449 सहकारी संस्थाए पंजीकृत हैं। इनमें से 178 प्राथमिक कृषि साख समितियां हैं, 41 समितियां कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्य कर रही हैं जबकि 02 समितियां जन औषधि केन्द्र भी चला रही हैं। 37 समितियां किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्यरत हैं। यह समितियां कृषि आधारित सेवाओं को सशक्त बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि सहाकरी समितियों का आधुनिकीकरण प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। सोलन ज़िला में प्रथम चरण में अब तक नाबार्ड के सहयोग से 183 समितियों का कम्प्यूटरीकरण किया जा चुका है।स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर ज़िला में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी सभाओं को सम्मानित भी किया गया।

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, B&R Division, HPPWD, Solan. Distt. Solan (H.P.) on behalf of Governor of H.P. invites the percentage rate bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the work as detailed in the table.

Sr. No	Name of work	Estimated cost (Rs.)	Earnest Money	Time	Starting Date for downloading Bid.	Deadline for submission of Bid.
1	Restoration of rain damages on SKRN road Km.22/00 to 38/600 Road Km.0/00 to 9/400 under PDNA (SH:- Construction of PCC Breast Wall at Rd.35/690 to 35/703)	2,04,334/-	4,000/-	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
2	Restoration of rain damages on Phashkana Jakhed road Knm.0/00 to 9/00 under PDNA (SH:- Construction of PCC Retaining Wall at Rd.5/380 to 5/395 and 5/760 to 5/780)	12,45,829/-	25,000/-	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
3	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhadech Km.0/00 to 0/700 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's, HPC 900 mm dia at various Rd's and embankment from Rd.0/340 to 0/385)	1184543	23000	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
4	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhauraghat to village Bhadech Km.0/00 to 0/510 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's in between 0/400 to 0/510)	1097717	22000	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
5	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhauraghat to village Bhadech Km.0/00 to 0/510 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's in between 0/100 to 0/240)	1131923	22000	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
6	Construction of ambulance road from Kufri Chail Kandaghat main road to village Bhadech Km.0/00 to 0/700 under MMGSY (SH:- Construction of Retaining wall at various Rd's in between 0/350 to 0/700)	1089942	22000	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM
7	Restoration of rain damages on GSSS Gaura (Deposit work) (SH;- Providing protection work, repair of rooms & tile works)	1496936	30000	Two Months	22.11.2025 at 4:00 PM	28.11.2025 at 11:00 AM

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website **www.hptenders.gov.in**

Executive Engineer,
B&R Division, HPPWD, Solan,
(On Behalf of Governor of Himachal Pradesh)

R.No. 4537/2025-2026

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

मनीमाजरा टाउन में शुरू हुआ सड़कों की मरम्मत का कार्य, इसके बाद नए सिरे से बनेगी मेन सड़क : रामेश्वर गिरी

चंडीगढ़/मनीमाजरा (ब्यूरो)। नगर निगम चंडीगढ़ द्वारा मनीमाजरा टाउन में पुलिस स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। मीडिया प्रभारी रामेश्वर गिरी ने बताया कि लंबे समय से खराब पड़ी इस सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है और मरम्मत के बाद मेन सड़क को नए सिरे से बनाया जाएगा।

रामेश्वर गिरी ने कहा कि इन सड़कों की हालत बेहद खराब हो चुकी थी, जिसके कारण स्थानीय लोगों और दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर व्यापार मंडल टाउन के लोगों ने प्रदर्शन किया था और स्वयं गिरी ने भी नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात कर समस्या को तुरंत हल करने की मांग उठाई थी।

गिरी ने बताया कि कमिश्नर साहब ने जनता से किए वादे को पूरा करते हुए सड़क मरम्मत का कार्य शुरू करवा दिया है। उन्होंने नगर निगम कमिश्नर और पूर्व मेयर का धन्यवाद किया, साथ ही उन सभी दुकानदारों का भी आभार जताया जिन्होंने आवाज उठाकर इस मुहिम में सहयोग दिया।

गिरी ने कहा कि सड़कें बन जाने के बाद नागरिकों को काफी राहत मिलेगी और क्षेत्र का यातायात भी सुचारू होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निगम आगे भी इसी तरह मनीमाजरा क्षेत्र के विकास कार्यों को प्राथमिकता देता रहेगा।

हरियाणा सरकार ने किया ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी में संशोधन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी- 2025 में अहम बदलाव करते हुए, दंपति मामलों में अधिकतम पांच मेरिट अंक देने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है।

संशोधित नीति के अनुसार राज्य सरकार के किसी भी विभाग, संगठन या किसी अन्य राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार में नियमित कर्मचारी के रूप में कार्यरत पति या पत्नी यदि हरियाणा, दिल्ली या चंडीगढ़ में कार्यरत हैं, तो संबंधित कर्मचारी को दंपति श्रेणी में अधिकतम पांच मेरिट अंक प्रदान किए जाएंगे।

नई नीति के अनुसार, दंपति श्रेणी के अंतर्गत राज्य सरकार के दोनों कर्मचारियों के मामले में केवल एक को ही ये मेरिट अंक प्रदान किए जाएंगे।

गुरु तेग बहादुर जी की 350वें बलिदान दिवस को समर्पित तलवंडी साबो से शुरू हुआ नगर कीर्तन शुक्रवार को बनूर होते हुए मोहाली पहुंचेगा

हिन्द जनपथ
साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। पंजाब सरकार द्वारा नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी और उनके श्रद्धालुओं भाई मति दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कार्यक्रमों की एक सीरीज़ में तलवंडी साबो से शुरू हुआ भव्य नगर कीर्तन कल राजपुरा से बनूर के गुरुद्वारा श्री अकालगढ़ साहिब से जिले में एंट्री करेगा।

यह जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर श्रीमती कोमल मित्तल ने बताया कि गुरुद्वारा श्री अकालगढ़ साहिब के बाद नगर कीर्तन अजीजपुर टोल प्लाजा से होते हुए छत लाइट प्वॉइंट पहुंचेगा और वहां से एयरपोर्ट रोड होते हुए मोहाली में दाखिल होगा, जहां गुरुद्वारा श्री सिंघ शहीदां, सोहाना में नगर कीर्तन का पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ स्वागत किया जाएगा।

जिले के श्रद्धालुओं से ऊपर बताए गए रूट पर नगर कीर्तन के दर्शन करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी खुशकिस्मत है, जिसे गुरु साहिब की कृपा से उनके 350वें शहीदी दिवस से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल रहा है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि नगर कीर्तन की पवित्रता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन की ओर से सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नगर कीर्तन में शामिल होने वाले श्रद्धालु शुक्रवार रात को गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना और गुरुद्वारा श्री अंब साहिब में विश्राम करेंगे। इसके बाद 22 नवंबर की सुबह नगर कीर्तन श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना होगा, जिसका स्वागत गांव पडियाला में गुरुद्वारा करतार सर साहिब में श्रद्धालु करेंगे। गुरुद्वारा सिंह शहीद सोहाना से रवाना होने के मौके पर जिला पुलिस की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि सभी सड़कों की सफाई, लाइटिंग, मेडिकल टीम वगैरह का पूरा इंतजाम किया गया है, ताकि नगर कीर्तन में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने सिविल अस्पताल, पंचकूला का किया दौरा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल ने आज सिविल अस्पताल, पंचकूला का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ईएनटी, नेत्र, आर्थोपेडिक एवं स्त्री रोग (गाईनी) विभागों में उपचाराधीन मरीजों से बातचीत की तथा आयुष्मान भारत/चिरायु योजना के प्रति मरीजों का फीडबैक लिया। सरकार द्वारा निर्देशित "आयुष्मान भारत सर्जिकल कैंप सप्ताह" 22 नवम्बर 2025 तक प्रदेश-भर में आयोजित किया जा रहा है। उन्होने कैंप के दौरान की जा रही सर्जरी और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर श्री सुधीर राजपाल ने सभी लाभार्थियों को पौष्टिक किट भी वितरित की। कैंप के दौरान अब तक विभिन्न विभागों में कुल 88 सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई हैं। इस मौके पर आज चौथे दिन विभिन्न विभागों में कुल 31 सर्जरी सम्पन्न हुई । इसमें जनरल सर्जरी 8, ईएनटी विभाग की 2 सर्जरी, नेत्र विभाग की 9 सर्जरी, आर्थोपेडिक (आर्थो) की 2 सर्जरी और स्त्री एवं प्रसूति रोग (गाईनी) की 10 सर्जरी शामिल हैं । इस अवसर पर सभी मरीजों को योजनानुसार पूर्णतया निःशुल्क एवं कैशलेस सुविधा प्रदान की गई।

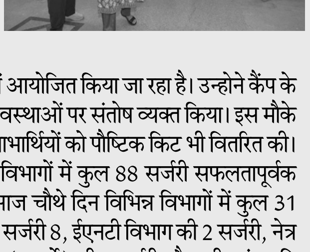

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों के लिए श्री आनंदपुर साहिब में तैयारियां पूरी

- भगवंत मान सरकार द्वारा संगतों की सुविधा के लिए किये गये पुख्ता प्रबंध - हरजोत बैंस
- विश्व भर के प्रमुख धार्मिक नेता सर्व धर्म सम्मेलन में होंगे शामिल
- संगतों के लिए टेंट सिटी, मुफ्त शटल सेवा, तीन-स्तरीय पार्किंग प्रणाली, बहुस्तरीय सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं की सुनिश्चित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/श्री आनंदपुर साहिब- पंजाब के कैबिनेट मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज कहा कि पंजाब सरकार ने श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों में शामिल होने और तख्त श्री केसगढ़ साहिब में नतमस्तक होने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचने वाली संगतों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पवित्र नगरी श्री आनंदपुर साहिब में सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई वाली पंजाब सरकार के सभी वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों ने 25 अक्टूबर को गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास करने के बाद श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों की श्रृंखला शुरू की थी। समागमों की शुरुआत करते हुए गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में कीर्तन दरबार सजाया गया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शामिल हुए थे। इसी तरह पूरे प्रदेश के सभी 23 जिलों में लाइट एंड साउंड शो करवाए गए तथा बाबा बकाला, अमृतसर और पटियाला में कीर्तन दरबार सजाए गए। 19 नवंबर को गुरुद्वारा छेवीं पातशाही, श्रीनगर से नगर कीर्तन सजाया गया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी शामिल हुए। यह नगर कीर्तन जम्मू, पठानकोट, दसूहा, होशियारपुर, महिलपुर और गढ़शंकर होते हुए 22 नवंबर को गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब, श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि माझा-दोआबा रूट पर एक और नगर कीर्तन 22 नवंबर को गुरुद्वारा श्री संगत सर पाठवाल (गुरदासपुर) से सजाया जायेगा जो बटाला, बाबा बकाला, श्री अमृतसर साहिब, तरनतारन, गोइंदवाल साहिब, कपूरथला, करतारपुर, जालंधर, फगवाड़ा, बंगा, नवांशहर और बलाचौर होते हुए 22 नवंबर को श्री सीस गंज साहिब, श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। इसी तरह मालवा-1 रूट पर एक और नगर कीर्तन 20 नवंबर को किला मुबारक (बाबा शेख फरीद यादगारी स्थान), फरीदकोट से सज कर फिरोजपुर, मोगा, जगराओं, लुधियाना, खन्ना, सरहिंद, फतेहगढ़ साहिब, मोरिंडा, चमकौर साहिब और रूपनगर होते हुए 22 नवंबर को श्री सीस गंज साहिब, श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा। इसी तरह मालवा-2 रूट पर एक और नगर कीर्तन 20 नवंबर को तख्त श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो से शुरू होकर बठिंडा, बरनाला, संगरूर, पटियाला, राजपुरा, बनूड़, साहिबजादा अजीत सिंह नगर, कुराली, रूपनगर होते हुए 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि 23 नवंबर को बाबा बुड्ढा दल छावनी के पास गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ होगा जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे। इसी दिन मुख्यमंत्री वीरासत-ए-खालसा यादगार में गुरु तेग़ बहादुर जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। उसी दिन मुख्य पंडाल बाबा बुड्ढा दल छावनी में प्रदेश सरकार द्वारा सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी, डॉ. रब्बी इज़कील इसाक मालेकर (यहूदी), भिक्खू संघसेना जी (बुद्धा), स्वामी चिदानंद सरस्वती जी, आचार्य डॉ. लोकेश मुनी जी (जैन), राजयोगी डॉ. बिन्नी सरीन जी (ब्रह्माकुमारी), हाजी सैयद सलमान चिश्ती जी (मुस्लिम), महंत ज्ञानदेव जी (निर्मल अखाड़ा), सैयद अफसर अली निज़ामी (मुस्लिम), परमपूज्य मुक्तानंद बापू जी तथा महंत संपूर्णानंद जी (पंचगनी अखाड़ा) सहित अन्य प्रमुख धार्मिक नेता शामिल होंगे।

स. बैंस ने कहा कि 24 नवंबर को कीरतपुर साहिब से भाई जैता जी की यादगार तक सीस भेंट नगर कीर्तन सजाया जाएगा। साथ ही श्री आनंदपुर साहिब में (गुरुद्वारा भोरा साहिब-शीश गंज साहिब-गुरु तेग़ बहादुर संग्रहालय-तख्त श्री केसगढ़ साहिब-किला आनंदगढ़ साहिब- वीरासत-ए-खालसा में समाप्त) हेरिटेज वॉक आयोजित की जाएगी। भाई जैता जी की यादगार पर विधानसभा का विशेष सत्र भी होगा।

एमसीएम ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के उपलक्ष्य में विद्वान आईडी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के उपलक्ष्य में मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की पुस्तकालय समिति ने 'क्रिएशन एंड मैनेजमेंट ऑफ़ विद्वान आईडी' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह सत्र संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं को अपनी अकादमिक दृश्यता बढ़ाने तथा इंडियन रिसर्च इनफॉर्मेशन नेटवर्क सिस्टम (आईआरआईएनएस) के माध्यम से संस्थान की उपस्थिति को मजबूत बनाने में सहयोग देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

प्रमुख वक्ता ने प्रतिभागियों को विद्वान प्रोफ़ाइल बनाने और उसे अनुकूलित करने की विस्तृत चरणबद्ध प्रक्रिया से अवगत कराया, जिससे वह अपने शोध कार्य, विशेषज्ञता एवं शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित कर सकें। लगभग 85 संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रोफ़ाइल निर्माण, डेटा अपलोडिंग और सत्यापन कार्यों का वास्तविक समय में अभ्यास किया। सत्र के अंत में एक उपयोगी प्रश्नोत्तर दौर भी हुआ, जिसमें संकाय सदस्यों ने शोध प्रोफ़ाइल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और तकनीकी प्रक्रियाओं के संबंध में अपनी शंकाओं का समाधान किया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना की और शैक्षणिक प्रगति और दृश्यता को ध्यान में रखते हुए सभी संकाय सदस्यों को अपनी विद्वान प्रोफ़ाइल बनाने और नियमित रूप से अपडेट रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य सचिव द्वारा श्री गुरु तेग़ बहादुर जी को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा ने गुरुवार को प्रदेशवासियों से श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर उन्हें सच्ची और विनम्र श्रद्धांजलि देने के रूप में अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव ने पवित्र शहर के पंज प्यारा पार्क में पौधा लगाते हुए कहा कि पेड़ लगाना प्रदेश के सतत विकास के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक है। उन्होंने कहा कि घटती हरियाली और हवा में बढ़ता

- पवित्र शहर श्री आनंदपुर साहिब में पौधा लगाया
- कहा, आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी

प्रदूषण हर किसी के लिए चिंता का विषय है क्योंकि यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। श्री के.ए.पी. सिन्हा ने कहा कि ऐसी स्थिति में हर व्यक्ति का फर्ज बनता है कि वह अपनी जिम्मेदारी समझते हुए आगे आए और प्रदेश को स्वच्छ हवा प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि जब प्रदेश सरकार द्वारा श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, तो हमें भी पूरे उत्साह के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए आगे आना चाहिए। इसे एक सामाजिक उद्देश्य बताते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार प्रदेश में हरा-भरा वातावरण बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री के.ए.पी. सिन्हा ने कहा कि यह समय की मांग है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर अपने पर्यावरण की रक्षा करें। इसके लिए प्रदेश सरकार लंबे समय से लोगों को यह सेवा दे रही है, लेकिन यह कार्य जन सहयोग के बिना पूरा नहीं किया जा सकता।

इस नेक कार्य में लोगों के पूर्ण सहयोग की मांग करते हुए मुख्य सचिव ने उनसे आने वाली पीढ़ियों के लिए पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों से भी आगे आने को कहा ताकि महान गुरु साहिबान को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में राज्य में हरियाली बढ़ाई जा सके।

इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ने जम्मू डिवीज़न के सीनियर डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर की माल ढुलाई से जुड़ी पहलों पर उनके काम के लिए तारीफ़ की

जम्मू – उत्तर रेलवे का जम्मू डिवीज़न शानदार कमर्शियल विस्तार के दौर में आ गया है, जो माल ढुलाई कनेक्टिविटी और इंडस्ट्री-सेंट्रिक लॉजिस्टिक्स पर नए सिरे से ध्यान देने से प्रेरित है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल के मार्गदर्शन में इस बदलाव ने न केवल इसके ऑपरेशनल प्रोफ़ाइल को मज़बूत किया है, बल्कि जम्मू और कश्मीर के लिए जम्मू डिवीज़न को एक स्ट्रेटेजिक माल ढुलाई हब के रूप में स्थापित करने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स से भी उनकी तारीफ़ हुई है।

ICC जम्मू ने गुरुवार को ट्रेड एंड लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव 2025 की मेज़बानी की, जिसमें माननीय LG श्री मनोज सिन्हा इसके चीफ गेस्ट थे और कई इंडस्ट्री एक्सपर्ट और गणमान्य लोग इसमें शामिल हुए।

श्री उचित सिंघल के नेतृत्व में सबसे खास उपलब्धियों में से एक घाटी में पहली इंडस्ट्रियल नमक मालगाड़ी की शुरुआत थी। गुजरात के खाराघोड़ा से इंडस्ट्रियल नमक ले जा रहे 21-वैगन रेक का अनंतनाग पहुंचना इस इलाके के लॉजिस्टिक्स माहौल में एक ऐतिहासिक बदलाव था।

टैनिंग, साबुन बनाने, पल्प प्रोसेसिंग और ईंट बनाने जैसी इंडस्ट्रीज़ के लिए, यह कंसाइनमेंट पारंपरिक सड़क ट्रांसपोर्ट का एक भरोसेमंद और सस्ता विकल्प था, जो अक्सर नेशनल हाईवे पर खराब मौसम की वजह से कमज़ोर हो जाता है।

जब खराब मौसम की वजह से सड़क ट्रांसपोर्ट पर असर पड़ा, तो मालगाड़ियों ने भी सेबों के ट्रांसपोर्ट में अहम भूमिका निभाई।

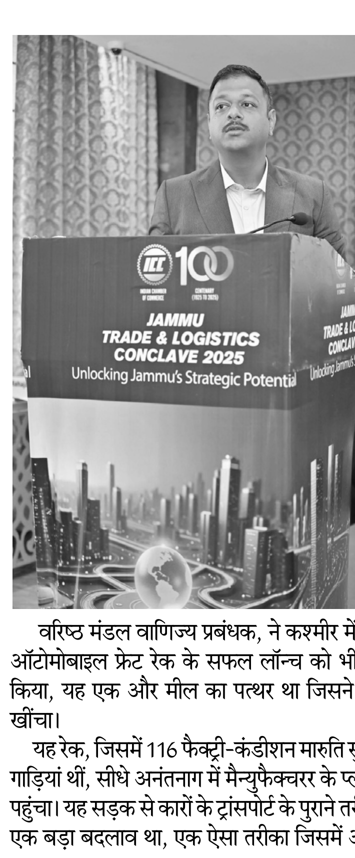

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, ने कश्मीर में पहले ऑटोमोबाइल फ्रेट रेक के सफल लॉन्च को भी लीड किया, यह एक और मील का पत्थर था जिसने ध्यान खींचा।

यह रेक, जिसमें 116 फैक्ट्री-कंडीशन मारुति सुजुकी गाड़ियां थीं, सीधे अनंतनाग में मैन्युफैक्चरर के प्लांट से पहुंचा। यह सड़क से कारों के ट्रांसपोर्ट के पुराने तरीके से एक बड़ा बदलाव था, एक ऐसा तरीका जिसमें अक्सर काफी ट्रांज़िट डैमेज, लंबा लीड टाइम और सुरक्षा की चिंताएं शामिल थीं।

एक ही दिन में बारी ब्राह्मणा और अनंतनाग में 230 से ज़्यादा गाड़ियों को हैंडल करना ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन में एक नया बेंचमार्क सेट करता है। यह सफलता न सिर्फ़ अच्छी प्लानिंग और टीमवर्क दिखाती है, बल्कि ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए कार्गो वॉल्यूम बढ़ाने में मदद करने के लिए डिवीज़न की तैयारी भी दिखाती है।

फ्रेट ऑपरेशन के अलावा, सीनियर डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर, श्री उचित सिंघल ने ऐसे सुधारों को आगे बढ़ाया है जो छोटे बिज़नेस और यात्रियों, दोनों के लिए एक अच्छा कमर्शियल माहौल बनाते हैं।

ट्रांसपेरेंट ई-ऑक्शन के ज़रिए स्टेशनों पर मल्टीपर्पस स्टॉल शुरू करने से किराए के अलावा रेवेन्यू कमाने में मदद मिली है और लोकल एंटरप्रेन्योर्स के लिए ग्रोथ के नए मौके मिले हैं।

जम्मू रेलवे स्टेशन समेत खास स्टेशनों पर उनके इंस्पेक्शन और बाद में किए गए सुधार, फ्रेट डेवलपमेंट के साथ-साथ यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के उनके कमिटमेंट को दिखाते हैं। इंडियन चैंबर ने कहा कि उनकी कोशिशों से इंडस्ट्री का भरोसा बढ़ाने, सप्लाई चेन की अनिश्चितताओं को कम करने और इस इलाके और देश के बाकी हिस्सों के बीच कमर्शियल इंटीग्रेशन को मज़बूत करने में मदद मिली है। ऐसी पहचान उनके काम के बड़े आर्थिक असर को दिखाती है, जो रेलवे से आगे बढ़कर बिज़नेस कम्युनिटी और इलाके की अर्थव्यवस्था तक फैला हुआ है।

भाजपा नेता गेजा राम के पंजाब विरोधी बयानों की 'आप' ने की निंदा: कुलदीप धालीवाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने गुरुवार को भाजपा नेता गेजा राम के हालिया बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इस बयान को 'बेहद आपत्तिजनक, बचकाना, शर्मनाक और भाजपा की पंजाब विरोधी मानसिकता का प्रतीक' बताया है।

धालीवाल ने कहा कि गेजा राम की टिप्पणी पंजाब और यहां के लोगों के प्रति भाजपा के पुराने पूर्वाग्रह को उजागर करती है। भाजपा नेता ने बेशर्मी से कहा कि अगर पंजाब के लोग नरेंद्र मोदी को पसंद नहीं करते, तो उन्हें केंद्रीय योजनाओं के तहत मिला पैसा वापस कर देना चाहिए। धालीवाल ने इसे बेहद निचले स्तर का और अज्ञानता से भरा बयान करार दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजाब को मिलने वाला फंड भाजपा या प्रधानमंत्री का कोई 'एहसान' नहीं है। पंजाब जीएसटी, टैक्स और अपने किसानों व उद्योगों की कड़ी मेहनत के जरिए देश के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे में, पंजाब को जो भी वित्तीय सहायता मिलती है, वह हमारा संवैधानिक अधिकार और हक है। यह न तो मोदी का निजी पैसा है और न ही यह भाजपा के दफ्तर से आता है। 'आप' नेता ने याद दिलाया कि पंजाब अभी भी अपने बकाया फंड का इंतजार कर रहा है, जिसमें केंद्र द्वारा रोका गया 800 करोड़ रुपये का आरडीएफ (RDF) फंड भी शामिल है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा द्वारा 1600 करोड़ रुपये के ऐलान के बावजूद, हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान के लिए पंजाब को उचित मुआवजा क्यों नहीं दिया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र हमारा पानी छीनने और हमारे संस्थानों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, और अब उनके नेता ऐसी गैर-जिम्मेदाराना बातें कर पंजाबियों का अपमान कर रहे हैं। धालीवाल ने किसान आंदोलन के दौरान भाजपा के रवैये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'डेढ़ साल तक लाखों किसान दिल्ली की सड़कों पर बैठे रहे और 700 से ज्यादा किसान शहीद हो गए, लेकिन मोदी ने उनकी बात सुनने के लिए पांच मिनट का वक्त भी नहीं निकाला।

कुलदीप सिंह धालीवाल की गैंगस्टरों को चेतावनी: मान सरकार शांति और कानून व्यवस्था भंग करने वालों को बर्दाश्त नहीं करेगी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने गुरुवार को राज्य में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे सभी गैंगस्टरों और असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी है। अमृतसर में देर रात हुई पुलिस मुठभेड़ का हवाला देते हुए, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर हरजिंदर सिंह उर्फ 'हैरी' मारा गया, धालीवाल ने कहा कि संदेश बिल्कुल साफ है जो कोई भी पंजाब में हिंसा, जबरन वसूली या बंदूक संस्कृति का रास्ता चुनेगा, उसे ऐसा ही अंजाम भुगतना होगा।

धालीवाल ने अमृतसर जिला और शहरी पुलिस टीमों की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस ने एक मुठभेड़ में एक खतरनाक गैंगस्टर को ढेर कर दिया है। मैं इस ऑपरेशन में शामिल हर अधिकारी की दिलेरी और काम की दिल से सराहना करता हूं।

मीडिया के माध्यम से सीधे गैंगस्टरों को संबोधित करते हुए धालीवाल ने कहा, 'अगर आपको लगता है कि आप पंजाबियों को डरा सकते हैं, अपने विरोधियों को गोली मार सकते हैं, फिरौती वसूल सकते हैं या दहशत फैला सकते हैं, तो याद रखें, आपको भी हैरी जैसी ही कीमत चुकानी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने सूबे में निवेश के लिए जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी को पूरे समर्थन और सहयोग का दिया भरोसा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी ग्लोबल नेटवर्क जापान (जी.एन.जे.) ग्रुप को झोने की वेस्टेज के प्रबंधन के लिए सूबे में निवेश करने के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग का भरोसा दिया।

जी.एन.जे. ग्रुप का शिष्टमंडल, जिसमें सायतो मासाहीको, नोबूटोकी इतो, ताकेशी इशीगुरो, हितोशी कोनागानो, रोहित बख्शी, मनप्रीत सिंह और अन्य शामिल थे, ने आज यहां मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने भारत के वातावरण और ग्रामीण विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता देने के लिए जी.एन.जे. ग्रुप की वचनबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि कंपनी वेस्टेज से

ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है और इस लाभदायक प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए मुख्य तौर पर पंजाब को चुना गया है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य झोने की वेस्टेज के सुचारू प्रबंधन के साथ-साथ एक साफ-सुथरा, हरा-भरा और खुशहाल भविष्य सृजित करना भी है। मुख्यमंत्री ने कंपनी द्वारा इस अहम और लोक-पक्षी क्षेत्र में पंजाब सरकार के साथ संभावित सहयोग के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में गठजोड़ की बहुत संभावनाएं हैं और सूबा सरकार इस नेक कार्य के लिए कंपनी का पूरा समर्थन करने के लिए हमेशा तैयार है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि धान की पराली जलाना सूबा सरकार के सामने बड़ी चुनौतियों में से एक है और इसी कारण जापानी व्यापारिक कंपनी के साथ रणनीतिक गठजोड़ समय की मांग है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झोने की पराली जलाने से वातावरण प्रदूषण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य को भी भारी नुकसान होता है, इसलिए सूबा सरकार इस मसले का स्थायी हल चाहती है।

संपादकीय

कब सस्ते होंगे हवाई टिकट?

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान तथा उड़ान के अंतिम समय में ज्यादातर विमानन कंपनियां मनमाने तरीके से किराये में बढ़ोतरी कर देती हैं। विमानन कंपनियों के विस्तार और उड़ान योजना के लागू होने से उम्मीद जगी थी कि हवाई सेवाएं किफायती होंगी और आम आदमी भी जरूरत पड़ने पर विमान यात्रा कर सकेगा। मगर किराया निर्धारण में कोई नियामकीय व्यवस्था न होना और निजी विमानन कंपनियों को खुली छूट आम लोगों की उम्मीदों पर भारी पड़ रही है। मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन की आड़ में किराये में अक्सर की जाने वाली वृद्धि के कारण हवाई सेवाओं की पहुंच आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक ही सिमटती प्रतीत हो रही है। यही वजह है कि अब शीर्ष अदालत ने निजी विमानन कंपनियों की ओर से लागू हवाई किराये और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे संबंधित याचिका में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता, किराया नियंत्रण और यात्री सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि त्योहारों और छुट्टियों के दौरान तथा उड़ान के अंतिम समय में ज्यादातर विमानन कंपनियां मनमाने तरीके से किराये में बढ़ोतरी कर देती हैं। आखिर में विमान यात्रा का विकल्प चुनते हैं। मगर सरकार की ओर से इस संबंध में न तो कोई हस्तक्षेप किया जाता है और न ही किसी तरह के दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। साफ है कि विमानन कंपनियों के इस तरह मुनाफा कमाने पर कोई लगाम नहीं है। इस मसले पर शीर्ष अदालत में दायर याचिका में दावा किया गया है कि निजी विमानन कंपनियों ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनामी श्रेणी के यात्रियों के लिए मुफ्त 'चेक-इन बैगेज' भत्ते को 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है।

वंदे मातरम् केवल उद्घोष नहीं दुनिया के शीर्ष 10 गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय दूसरा गीत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतलपाड़ा गांव में जब 7 नवंबर, 1876 में वंदे मातरम् गीत की रचना की तब उनके मानस में शायद ही यह होगा कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दिवानों का प्रेरक होने के साथ ही आजादी के बाद भी देश की राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति प्रेम और श्रृद्धा का प्रतीक बन जाएगा।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

वंदे मातरम् में जिस तरह से मॉ भारती की स्तुति की गई है वह हमारी पहचान और गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम बन गई। 1870 के भयंकार अकाल और अंग्रेजों द्वारा महारानी की शान में गौड़ सेव क्वीन के लिए बाध्य करने की प्रतिक्रिया के रुप में वंदे मातरम् की आधार भूमि तैयार हुई। कुछ समय बाद ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम् को प्रमुख स्थान दिया गया। आनंद मठ भी गुलामी से मुक्ति और अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना से ओतप्रोत उपन्यास होने से आजादी के आंदोलन ही नहीं आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। आनंद मठ में भवानन्द संन्यासी संन्यासी विद्रोहियों का नेतृत्व करते हुए यह गीत गाते हैं। वंदे मातरम् गीत की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस के सम्मेलन में इसे अपने स्वर देते हुए स्वयं गाया। उसके बाद तो वंदे मातरम् भारत की आत्मा ही बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए तो वंदे मातरम् जयघोष ही बन गया। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध का मार्च गीत ही वंदे मातरम् रहा। हालांकि वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग आदि ने सांप्रदायिकता, धर्म विशेष से प्रेरित और मां दुर्गा को लेकर

विरोध व्यक्त किया गया और यही कारण रहा कि वंदे मातरम् गीत के आरंभिक दो छंदों को ही कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकारा गया।

यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आजादी के अमृत काल में हम वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष को मनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् भले ही 19 वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत के हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों में जिस भाव से माता भूमि पुत्रों अहम् पृथिव्या भाव से जुड़ा है। 1950 में वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रुप में अपनाया गया। 1950 में ही जदुनाथ भट्टाचार्य ने वंदे मातरम् को संगीत दिया। जनगणमन जहां राष्ट्रगान है और औपचारिक आयोजनों में राष्ट्रगान को गाया जाता है और उसके अपने प्रोटोकाल है वहीं राष्ट्रगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जा सकता है।

वंदे मातरम् केवल गीत या उद्घोष ना होकर 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट करने, राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत करने और सनातन भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का माध्यम है। भारत भूमि की सनातन सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम है वंदे मातरम्। गुलामी के दौर में वंदे मातरम् राष्ट्रीय भावना, देश प्रेम और स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहा है तो आजादी के बाद यह देशवासियों की आत्मा बन चुका है। बहुत कम को जानकारी होगी कि दुनिया के 7000 इस तरह के गीतों में से दुनिया के अव्वल 10 गानों को चयन किया गया और उनमें से भी हमारा वंदे मातरम् राष्ट्रगीत सबसे लोकप्रिय गीतों में दूसरे स्थान पर है। यह कोई हमारी घोषणा ना होकर 2003 में बीबीसी वर्ल्ड द्वारा कराये गये वैश्विक सर्वे में उभर कर आया है। वंदे मातरम् की लोकप्रियता और सर्वग्राह्यता को इसी से आसानी से समझा जा सकता है। आज भी वंदे मातरम् के उद्घोष मात्र से ही देशवासियों में जिस तरह से हृदय से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत होती है उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भारतीय भूमि के कण कण को प्रकाशित करते इस गीत में भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य, सांस्कृतिक परंपरा और एकता की ड़ोर में पिरोये भारत की अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि राष्ट्रीय गीत के एक एक शब्द का अपना सौन्दर्य है और गौरवशाली परंपरा को संजोये हुए हैं। हमें हमारी गौरवशाली परंपरा को संजोये रखने के लिए वंदे मातरम् के एक एक शब्द और उसके भावार्थ को समझना होगा। आजादी के दीवानें जहां वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ देश की आजादी के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए वहीं अब आज हमें वंदे मातरम् के भावों को समझने, आत्मसात् करने और देशविरोधी ताकतों, सांप्रदायिक तत्वों को निरुत्साहित करते हुए भारत मां के गौरव में चार चांद लगाने के समुचित प्रयास करने होंगे। खासतौर से आज की पीढी को समझने और देशभक्ति से ओतप्रोत होने की इसलिए आवश्यकता है कि आज जिस तरह से वैश्विक संकट का दौर चल रहा है और भारत की उत्तरोत्तर प्रगति से अमेरिका सहित दुनिया के देश पचा नहीं पा रहे हैं उन हालातों में वंदे मातरम् की भावना प्रत्येक भारतवासी में होना जरुरी हो गया है। हमें देश की गरिमा और गौरव को बनाये रखना होगा। वंदे मातरम् 140 करोड़ देशवासियों वासियों को माला के मणियों की तरह राष्ट्रप्रेम और एकता से पिरोये रखेगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सीडीएस ने घरेलू रक्षा उद्योग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण की पोल खोल दी

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय रक्षा उद्योग के सामने खड़े सबसे असहज प्रश्न कभी राजनीतिक नेताओं ने तो नहीं पूछे लेकिन यह काम सेना के सबसे ऊँचे अधिकारी यानि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान ने कर दिखाया है। जनरल अनिल चौहान की टिप्पणी कठोर है, सीधी है और उतनी ही असुविधाजनक भी, क्योंकि इससे वह वास्तविकता उजागर होती है जिसे अक्सर आत्मनिर्भरता के शोर में दबा दिया जाता है। दरअसल आपातकालीन रक्षा खरीद (ईपी) के पाँचवें और छठे चरण के विफल अनुभवों ने सेना को स्पष्ट रूप से निराश किया है क्योंकि तमाम घोषणाओं और 'अतिस्वदेशी' दावों के बावजूद समय पर आवश्यक उपकरण नहीं मिले। जब सीडीएस कहते हैं कि 'उद्योग को अपने लाभ केंद्रित प्रयासों में थोड़ा राष्ट्रवाद और देशभक्ति भी दिखानी चाहिए', तो यह सिर्फ भावनात्मक अपील नहीं होती बल्कि यह सुरक्षा-स्वाभिमान के मूल प्रश्न को छूती है।

उल्लेखनीय है कि ईपी व्यवस्था का जन्म संकटकालीन जरूरतों को देखते हुए हुआ था। उद्देश्य यह कि सेना को लंबी प्रक्रियाओं से अलग हटकर तत्काल हथियार, मिसाइलें और आवश्यक प्रणालियाँ मिल सकें। मोदी सरकार ने आपातकालीन खरीद प्रावधान के तहत हर अनुबंध की सीमा करीब 300 करोड़ रुपए तक निर्धारित की है और इन्हें एक वर्ष के भीतर निष्पादित करने का प्रावधान है ताकि लंबी सामान्य प्रक्रियाओं की जगह तेजी से आवश्यक उपकरण जुटाए जा सकें। इस व्यवस्था के पाँचवे चरण के बाद रक्षा मंत्रालय ने ईपी-6 को भी मंजूर किया था। लेकिन घरेलू रक्षा कंपनियाँ अनुबंध पर हस्ताक्षर तो कर देती हैं मगर एक वर्ष की समयसीमा में उपकरणों की आपूर्ति नहीं कर पातीं। यह सिर्फ देरी नहीं, सामरिक क्षमता का नुकसान है। आपातकालीन खरीद नीति की असफलता सीधे मोर्चों पर सैनिकों की तैयारी को प्रभावित करती है। अगर ईपी-5 व ईपी-6 में ओवर-प्रॉमिस, अंडर-डिलिवर का चलन बढ़ रहा है तो यह अच्छा संकेत नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि रक्षा उपकरणों के निर्माण में 70 प्रतिशत स्वदेशी या 80 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का उपयोग जैसी घोषणाएँ गर्व तो पैदा करती हैं लेकिन जब सीडीएस स्वयं यह कहें कि वास्तविकता इससे बहुत कम है, तो यह न केवल उद्योग की विश्वसनीयता पर प्रहार है, बल्कि पूरे आत्मनिर्भरता-वृत्तांत को भी चुनौती है। विदेशी मशीनों को सिर्फ देसी पेंच से जोड़कर किसी प्रणाली को स्वदेशी कहना आत्मनिर्भरता की परिभाषा से खिलवाड़ है। युद्ध जैसी घड़ी में आयात पर निर्भर घटक नहीं आयें तो पूरी प्रणाली ठप हो सकती है। इसलिए भारत के घरेलू रक्षा उद्योग को और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा।

साथ ही सीडीएस की यह टिप्पणी कि भारतीय कंपनियाँ अंतरराष्ट्रीय बाजार का सामना करने लायक मूल्य-प्रतिस्पर्धा नहीं रखतीं, एक और कठोर सच्चाई उजागर करती है। सरकारी खरीद का प्रतिस्पर्धी होना बहुत जरूरी है क्योंकि महँगे हथियारों की कीमत अंततः करदाताओं से ही चुकाई जाती है। साथ ही सीडीएस का थोड़ा राष्ट्रीयवाद वाला कथन मूल रूप से उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डालता है। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार और सेना की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि रक्षा उद्योग भी उतना ही साझेदार है। पर यह साझेदारी तभी सार्थक बनेगी जब लाभ कमाने के साथ कंपनियाँ सुरक्षा की संवेदनशीलता और समयसीमा की गंभीरता को समझें। यह भी समझना होगा कि रक्षा उद्योग केवल एक कारोबारी क्षेत्र नहीं, बल्कि रणनीतिक परिसंपत्ति है। इस क्षेत्र में अतिशयोक्ति, देरी या गैर-पारदर्शिता, किसी अन्य उद्योग की तुलना में कई गुना अधिक खतरनाक हो सकती है।

यदि रक्षा उद्योग सचमुच आत्मनिर्भर भारत का स्तंभ बनना चाहता है, तो उसे कुछ बुनियादी बदलावों को स्वीकार करना होगा। जैसे ईपी अनुबंधों पर कठोर दंडात्मक प्रावधान करने होंगे और इसके तहत समयसीमा तोड़ने पर आर्थिक जुर्माने या ब्लैकलिस्टिंग जैसे कदम उठाने होंगे। साथ ही स्वदेशीकरण का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। इसके अलावा, माइलस्टोन आधारित अनुबंध होने चाहिए, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मूल्य निर्धारण होना चाहिए और आरएण्डडी आधारित उद्योग मॉडल होना चाहिए क्योंकि केवल असेंबली पर आधारित उद्योग टिकाऊ नहीं होते।

देखा जाये तो जनरल चौहान का बयान वास्तविक अनुभव से निकला है। उनके शब्द उद्योग को कटघरे में नहीं, बल्कि दायित्व के दायरे में लाते हैं। भारत आज ऐसे मोड़ पर है जहाँ आधुनिक युद्ध केवल सीमा पर नहीं, अंतरिक्ष से लेकर साइबर और ड्रोन-तकनीक के नए क्षेत्रों में लड़ा जा रहा है। इस नए युद्धक्षेत्र में देरी, अनिश्चितता या गलत दावे की कोई जगह नहीं है। रक्षा उद्योग यदि वही पुरानी असेंबली आधारित सोच, ऊँचे दाम और ढीली समयसीमा पर चलता रहा, तो आत्मनिर्भरता का सपना एक आकर्षक नारा तो रहेगा, पर वास्तविकता नहीं बनेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5919

1	2	■	3		4	5	6
7		■		■	8		
9		10	■	■	11		
12			■	13	■	■	■
■	■	14	15		16	17	
18	19			■	20		■
		■		■		■	22
■	23		■	24			

संकेतः बाएं से दाएं
1. 25 मार्च 1924 को इस देश ने अपने गणतंत्र बनने की घोषणा की (2)
3. घोड़ों की सवारी करने वाला पहला व्यक्ति यहां का था और घोड़ों को पालतू बनाने की प्रक्रिया भी यहीं से शुरू हुई थी (5)
7. जल प्राप्त का कृत्रिम स्त्रोत (2)
8. हिंदी माह श्रावण का अपभ्रंश (3)
9. हिंदी साहित्य में अर्थालंकार का भेद, रूप से युक्त (3)
11. नगद का अपभ्रंश (3)
12. रूठे हुए को प्रसन्न करना (3)
14. बात का सही अर्थ न समझने का भाव, बात समझने में धोखा खा जाना (6)
18. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम, यह प्रहलाद का निवास स्थान भी कहा गया है (4)
20. निर्निमेष दृष्टि (2)
21. सिलवट, शिकन, सिकुड़न (2)
23. नेत्र, आंख, नयन (2)
24. दादा का पिता, प्रतितामह (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रसाधन कक्ष को यह भी कहते है (4)
2. विलाप करना, दुख उठाना (4)
3. कोई धार्मिक व्याख्यान या प्रसंग (2)
4. कृषक, खेतिहर (3)
5. स्तुतिवादक, स्तुति करने वाला (3)
6. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
10. श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष, जब सूर्य कन्या राशि में हो (4)
13. पुत्र, बेटा (2)
15. प्रबल अभिलाषा, गहरी चाह (3)
16. झिड़की, डांट, दुत्कार (4)
17. अधिकार, स्वामित्व (2)
18. उस अवस्था में, विशिष्ट परिस्थिति में (2)
19. लोभ, किसी चीज को पाने की अनुचित इच्छा (3)
22. पुरानी फिल्मों की नायिका जिनका निधन 25 मार्च 2014 को हुआ था (2)

वर्ग पहेली 5918 का हल

इ	ज	रा	इ	ल	■	नौ	रू
ज	ल	ज	■	ग	म	क	ना
हा	■	द	म	न	का	री	■
र	ग	■	घा	■	न	■	सि
■	री	वा	■	अ	दा	ल	त
रो	ब	■	शु	मा	र	■	म
श	■	वा	स्त	व	■	भो	ग
न	र्म	दा	■	स्या	म	■	र

मिशन-2026- माओवादी आतंक का खात्मा तय

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

यानी संदेश साफ है कि नक्सलवाद-माओवाद के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति तय है। मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद-माओवाद का संपूर्ण खात्मा सुनिश्चित है। ये अभियान अपने अंतिम चरण पर है। साथ ही नक्सलवाद-माओवाद को पालने-पोसने वालों और समर्थकों के लिए कड़ी चेतावनी है।

देश सहित छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा हो रहा है। छत्तीसगढ़ का कुख्यात माओवादी आतंकी हिडमा 18 नवंबर को मारा गया। छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने हिडमा की पत्नी समेत कुल 6 नक्सली-माओवादियों को ढेर कर दिया है।

वस्तुतः नक्सलवाद-माओवाद के समूलनाश के पीछे केन्द्र की मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है।जो सरेंडर करने वालों का स्वागत भी कर रही है। पुनर्वास भी सुनिश्चित कर रही है। लेकिन अगर माओवादी,आतंक का रास्ता नहीं छोड़ते तो उनका अंत भी तय है। यानी मिशन-2026 पूरी तरह से एक्टिवेट है।

17 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में रामनाथ गोयनका व्याख्यान में भी माओवादी आतंक की समाप्ति का ज़िक्र किया। अर्बन नक्सलियों और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि - पूरे देश में नक्सलवाद-माओवादी आतंक का दायरा बहुत तेजी से सिमट रहा है, लेकिन कांग्रेस में ये उतना ही सक्रिय होता जा रहा था। आप भी जानते हैं, बीते पांच दशकों तक देश का करीब-करीब हर बड़ा राज्य, माओवादी आतंक की चपेट में, चपेट में रहा। लेकिन ये देश का दुर्भाग्य था कि कांग्रेस भारत के संविधान को नकारने वाले माओवादी आतंक को पालती-पोसती रही और सिर्फ दूर-दराज के क्षेत्रों में जंगलों में ही नहीं, कांग्रेस ने शहरों में भी नक्सलवाद की जड़ों को खाद-पानी दिया। कांग्रेस ने बड़ी-बड़ी संस्थाओं में अर्बन नक्सलियों को स्थापित किया है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी गंभीरता के साथ देश की एकता पर गंभीर ख़तरे को भी चिन्हांकित किया। उन्होंने कहा कि - 10-15 साल पहले कांग्रेस में जो अर्बन नक्सली, माओवादी पैर जमा चुके थे, वो अब कांग्रेस को मुस्लिम लीगी- माओवादी कांग्रेस, एमएमसी बना चुके हैं। और मैं आज पूरी जिम्मेदारी से कहूंगा कि ये मुस्लिम लीगी- माओवादी कांग्रेस, अपने स्वार्थ में देशहित को तिलांजलि दे चुकी है। आज की मुस्लिम लीगी- माओवादी कांग्रेस, देश की एकता के सामने बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है।

2023 में छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार की वापसी होने के बाद बस्तर क्षेत्र से माओवादियों का खात्मा हो रहा है। व्यापक स्तर पर आत्मसमर्पण कराया जा रहा है। पहले बोली फिर गोली दोनों का प्रयोग किया जा रहा है। स्थायी शांति की ओर तमाम प्रयास किए जा रहे हैं।? इसके साथ ही जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चेताया है चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। माओवादियों का अर्बन मॉडल जिसे अर्बन नक्सली के नाम से जाना जाता है। वो अभी भी देश भर में सक्रिय हैं। नई रणनीतियों पर लगा हुआ है। लेकिन ये तय है कि देश भर से नक्सलवाद-माओवादी आतंकवाद का खात्मा होगा। अर्बन नक्सलियों के ताबूत में भी अंतिम कील ठोंकी जाएगी। स्थायी शान्ति और विकास की बहाली होगी। ये नया भारत है। जो अपने नागरिकों की सुरक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संदेश साफ है देशविरोधी कोई कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। (लेखक साहित्यकार, स्तंभकार एवं पत्रकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आज का राशिफल

मेष

आज परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। आपका कारोबार अच्छा चलेगा और पार्ट टाइम कार्य करने का भी समय मिलेगा। आज आपके लिए महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है। काफी संघर्ष के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। धीरे-धीरे आपको भाग्य का भी साथ मिलेगा साथ देगा।

वृष

आज के दिन शुभ कार्यों में शामिल होने का असर मिलेगा। आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा हो सकती है। ये समय अपने जीवन स्तर को सुधारने का है। फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए।

मिथुन

आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए। आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है।

कर्क

आज आपका दिन अपने भाई-बहन की देखभाल में बीतेगा। परिवार को लेकर अपनी जिम्मेदारियों की पूर्ति करते नजर आएंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत हो सकती है। सभी की सहमति से घर बदलने या किसी जगह शिफ्ट होने पर भी बात हो सकती है।

सिंह

आज आपको कारोबार में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव से चिंता बनी रहेगी। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय आदि के क्षेत्र में पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य व आराम का त्याग करना पड़ेगा।

कन्या

आज आपकी राशि का स्वामी तृतीय घर में आ चुका है और मंगल के साथ पापाक्रान्त है। ऐसे में विशेष प्रकार की भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी। उसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें।

तुला

आज आप अकारण ही चिंतित और परेशान रहेंगे। शुक्र के कारण कुछ परेशानियां खड़ी होती दिख रही हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है। आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं। ऐसे में मन की दुर्बलता व दुर्गुणों का त्याग करें।

वृश्चिक

आज अकस्मात मंगलमय समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते परिवेश में नई योजना सफल होगी। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें।

धनु

आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा। रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

मकर

आज सामाजिक, धार्मिक कामों में भाग लेने से आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहों की चाल से आपको भाग् का साथ मिलेगा। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें।

कुंभ

आज उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिन भर बना रहेगा। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। अध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। किसी यात्रा पर जाने या मंगल कार्यों में शामिल होने का संयोग बन रहा है। समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा।

मीन

आज आपकी राशि के स्वामी-देव गुरु बृहस्पति ज्ञान विज्ञान का भण्डार है। ऐसे में उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे। अध्ययन व अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। आज के दिन विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहना होगा। किसी को आज पैसा उधार न दें।

एनआईएस मैनेजमेंट का एच1 एफवाय26 में ईबीआईटीडीए 11 प्रतिशत और मुनाफा 13 प्रतिशत

कोलकाता, एजेंसी। एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड जो सुरक्षा, फेसिलिटी मैनेजमेंट, इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी और स्किल डेवलपमेंट में विशेषज्ञता रखने वाला अग्रणी इंटीग्रेटेड सर्विसेज प्लेटफ़ॉर्म है, ने एच1 एफवाय6 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री देबाजीत चौधरी ने कहा: 'हम एच1 एफवाय26 में अपने मजबूत प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, जो स्थिर राजस्व वृद्धि और लाभप्रदता में सार्थक सुधार से समर्थित था। ईबीआईटीडीए और नेट प्रॉफिट में बढ़ोतरी हमारे संचालन अनुशासन, लागत दक्षता, और सुरक्षा, फेसलिटी मैनेजमेंट तथा इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा समाधानों में हमारी सेवा मिश्रण को बेहतर बनाने पर निरंतर फोकस को दर्शाती है।

आगे बढ़ते हुए, हम तकनीक अपनाने, उच्च-मूल्य सेवाएं प्रदान करने और निरंतर सेवा गुणवत्ता के माध्यम से अपने इंटीग्रेटेड सर्विसेज प्लेटफ़ॉर्म को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा फोकस सतत और लाभदायक वृद्धि के साथ सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर केंद्रित रहेगा।

एचव्हीएएक्स टेक्नोलॉजीज ने एच1 एफवाय26 में कुल आय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। एचव्हीएएक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड जो क्लीनरूम और नियंत्रित वातावरण इन्फ्रास्ट्रक्चर में विशेषज्ञ टर्नकी समाधान प्रदाता है, ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एचव्हीएएक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के चेयरमैन और होल-टाइम डायरेक्टर श्री निर्भयनारायण सिंह ने कहा: 'हम पहले छमाही में हासिल किए गए मजबूत गति से संतुष्ट हैं, जो प्रमुख परियोजनाओं में स्वस्थ निष्पादन और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में लगातार मांग से प्रेरित है। उच्च-विकास वाले क्षेत्रों और अनुपालन-आधारित इंजीनियरिंग पर हमारा फोकस एचव्हीएएक्स को क्लीनरूम और नियंत्रित वातावरण क्षेत्र में अलग पहचान देता रहता है। मजबूत ऑर्डर बुक और वैश्विक विस्तार के साथ, हमें आने वाले तिमाहियों में सतत और स्थायी वृद्धि देने पर विश्वास है। डायरेक्टर श्री प्रायगदत्त मिश्रा ने कहा: एच1 में हमारा वित्तीय प्रदर्शन व्यापक सुधार को दर्शाता है, जिसमें अनुशासित संचालन और रणनीतिक परियोजना जीत के आधार पर राजस्व और लाभप्रदता में ठोस वृद्धि दिखाई देती है।

ब्रेस पोर्ट का एच1 एफवाय26 में 11 प्रतिशत ईबीआईटीडीए मार्जिन

दिल्ली, एजेंसी। ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड जो सेवा-आधारित लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री सचिन अरोड़ा ने कहा, 'एच1 एफवाय26 हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण और उत्साहवर्धक अवधि रही है। जबकि वैश्विक फ्रेट मार्केट ने भूराजनीतिक अनिश्चितताओं, व्यापक विरोधों और चल रही अमेरिकी टैरिफ स्थिति के कारण कम दरों का सामना किया, हम इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय बाजार में विभिन्न जटिल व्यावसायिक असाइनमेंट्स में मजबूत गति बनाने में सफल रहे।

इस अवधि में, हमने कई जटिल अंतरराष्ट्रीय मूवमेंट्स सफलतापूर्वक संपन्न किए, जिनमें 12-मीटर इलेक्ट्रिक बसों का जर्मनी और जेबेल अली में शिपमेंट, मलेशिया से कंबोडिया कार कन्साइनमेंट्स, और जापान से कंबोडिया तक मित्सुबिशी फुसो ट्रकों का एंड-टू-एंड मूवमेंट शामिल है। ये प्रोजेक्ट्स हमारे वैश्विक ग्राहकों द्वारा हमारी संचालन क्षमता पर बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। इसके अलावा, कॉन्टिनेंटल टायर्स और आशबी सिस्टम्स के ऑनबोर्डिंग ने ऑटोमोटिव और औद्योगिक क्षेत्रों में हमारे प्रभाव को और मजबूत किया है।

दरों में कटौती के बावजूद नवंबर में

जीएसटी कलेक्शन 2 लाख करोड़ के पार जाने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार के आंतरिक आकलन के मुताबिक, भारत का जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) राजस्व नवंबर महीने में फिर से मजबूत होने वाला है। इससे सितंबर महीने में की गई कर दरों में कटौती का केंद्र और राज्यों की आय पर पड़ने वाला असर सीमित रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में मजबूत मांग और बढ़ते करदाता आधार की वजह से राजस्व का यह रुझान बना रहेगा। अप्रैल से सितंबर के बीच सकल जीएसटी प्राप्तियों में सालाना 9.8 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन अक्टूबर महीने में यह गिरकर सिर्फ 4.6 प्रतिशत रह गई। हालांकि, सरकारी आकलन से जुड़े दो लोगों का कहना है कि नवंबर महीने में यह वृद्धि फिर से बढ़कर 10 प्रतिशत के मजबूत स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। इससे मासिक राजस्व प्राप्तियां लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती हैं। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि आसान जीएसटी पंजीकरण जैसे सुधारों की वजह से करदाता आधार भी तेजी से बढ़ेगा। 1 नवंबर से, सरकार ने कम जोखिम वाले आवेदकों के लिए स्वचालित जीएसटी पंजीकरण की

सुविधा शुरू की है, जहां तीन दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन हो जाता है। जीएसटी के 2017 में शुरू होने के बाद से, पंजीकृत करदाताओं के मामले में भारत का अप्रत्यक्ष कर आधार लगभग 6.39 मिलियन से बढ़कर 15.1 मिलियन से अधिक हो गया है, जो औपचारिकरण और कर अनुपालन में सुधार को दर्शाता है। एक चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म के सीनियर पार्टनर राजत मोहन के मुताबिक, 22 सितंबर की दरों में समझदारी के बाद जीएसटी वसूली के रुझान साफ दिखाते हैं कि अर्थव्यवस्था ने कर दरों में कटौती को बिना राजस्व प्रवाह में कोई बड़ी रुकावट के सोख लिया है।

अक्टूबर में वसूली कम क्यों हुई

जीएसटी की प्राप्तियां एक महीने बाद आती हैं, यानी अक्टूबर में मिला राजस्व सितंबर महीने की बिक्री को दर्शाता है। एक सूत्र ने बताया कि अक्टूबर का 1.96 लाख करोड़ रुपये का राजस्व इस रुझान को दिखाता है कि लोगों ने सितंबर की शुरुआत में बड़े खर्चे वाली खरीदारी को रोके रखा और बाद में दरों में कटौती का फायदा उठाने के लिए महीने के आखिरी दिनों में खरीदारी की। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि लोगों को 3 सितंबर से ही पता था कि जीएसटी दरों में कटौती 22 सितंबर से प्रभावी होगी। नवंबर महीने का कलेक्शन अक्टूबर की बिक्री को दर्शाएगा, जो जीएसटी दरों में कटौती के पूरी तरह से लागू होने का पहला महीना था। इसलिए, राजस्व में मजबूती की उम्मीद की जा रही है। नवंबर के राजस्व के आंकड़े 1 दिसंबर को जारी होंगे।

सरकार क्या मानती है

वित्त मंत्रालय की एक समीक्षा में अनुमान जताया गया था कि जीएसटी सुधार से उपभोक्ताओं और व्यवसायों पर टैक्स का बोझ कम होगा, जिससे घरेलू मांग और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इन सुधारों में मुख्य रूप से जीएसटी की चार-स्तरीय प्रणाली को सरल बनाकर मुख्य रूप से 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में बदलना शामिल था, जबकि लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे तंबाकू) पर 40 प्रतिशत का विशेष दर बरकरार रखा गया। मजबूत जीएसटी वसूली की यह प्रवृत्ति सरकार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगी। एक व्यक्ति ने बताया कि कर दरों में कटौती के बाद अभी तक किसी भी राज्य सरकार ने केंद्र के सामने राजस्व को लेकर कोई चिंता नहीं जताई है। व्यवसायों ने भी जीएसटी रेट्स में कमी का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया है, जिससे खपत को बढ़ावा मिला है।

कंपनी एनबीसीसी को 2966 करोड़ रुपये का मिला काम

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) के शेयरों में गुरुवार को जबरदस्त तेजी आई है। एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर गुरुवार को क्लस्थ में 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 116.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने के बाद आया है। नवरत्न कंपनी एनबीसीसी ने बताया है कि उसे 2996.10 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कंपनी को यह कॉन्ट्रैक्ट नागपुर मेट्रोपॉलिटन रीजन डिवेलपमेंट अथॉरिटी से नवीन नागपुर फेज-1 के डिवेलपमेंट के लिए मिला है। इस प्रोजेक्ट में नवीन नागपुर के डिवेलपमेंट के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी का काम शामिल है।

नवरत्न कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर पिछले पांच साल में 565 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 20 नवंबर 2020 को 17.23 रुपये पर थे। एनबीसीसी के शेयर 20 नवंबर 2025 को 116.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 295 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। एनबीसीसी के शेयर पिछले 3 साल में 355 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। अगर पिछले दो साल की बात करें तो कंपनी के शेयर 160 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। एनबीसीसी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 130.60 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 70.82

रुपये है।

एनबीसीसी (इंडिया) ने ई-नीलामी के जरिए ग्रेटर नोएडा पश्चिम में 1,070 करोड़ रुपये में 609 आवासीय इकाइयों की बिक्री की है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने ई-नीलामी के माध्यम से दो परियोजनाओं 'एस्पायर लेजर वैली' और 'एस्पायर सेंचुरियन पार्क' में 609 आवासीय इकाइयां बेची हैं। इन इकाइयों का कुल बिक्री मूल्य 1,069.43 करोड़ रुपये है। एनबीसीसी को बिक्री मूल्य के एक पर्सेंट के बराबर मार्केटिंग फीस मिलेगी। नवरत्न कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) अपने शेयरधारकों को दो बार बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी ने फरवरी 2017 में 1ः2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। एनबीसीसी ने अक्टूबर 2024 में भी 1ः2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

सैमसंग ने तमिलनाडु में शुरू किया 'डिजिअरिवु'

डिजिटल और स्टेम शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

चेन्नई, एजेंसी।
भारत के प्रमुख कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के सहयोग से तमिलनाडु में डिजिटल और स्टेम -यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स, शिक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु 'डिजिअरिवु - एम्पॉवरिंग स्टूडेंट्स थ्रू टेक' कार्यक्रम की शुरुआत की है।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में कांचीपुरम और रणिपेट ज़िलों के 10 सरकारी स्कूलों के 3,000 से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। इस पहल के अंतर्गत सैमसंग स्कूलों की आधारभूत संरचना को उन्नत करेगा, डिजिटल तथा स्टेम-आधारित सीखने का माहौल विकसित करेगा, शिक्षकों को प्रशिक्षण देगा और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देगा। 'डिजिअरिवु' का उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 ज़िलों में शिक्षा के

संपूर्ण इकोसिस्टम को मजबूत बनाना है।

यह कार्यक्रम राज्य में वास्तविक ज़मीनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसके लिए यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया द्वारा सरकारी स्कूलों पर किए गए अध्ययन, सैमसंग के श्रीपेरंबुदूर विनिर्माण संयंत्र के कर्मचारियों के सुझाव और स्थानीय समुदाय की प्रतिक्रिया को आधार बनाया गया है, ताकि हस्तक्षेप सीधे तौर पर छात्रों और स्कूलों की प्राथमिक आवश्यकताओं को संबोधित कर सके। कार्यक्रम का फोकस स्कूलों के सीखने के वातावरण को बिल्डिंग ऐज़ लर्निंग एड अवधारणा के माध्यम से उन्नत करने और छात्रों को डिजिटल लर्निंग उपकरण उपलब्ध कराने पर है। इसके अंतर्गत स्टेम विषयों पर गतिविधि-आधारित शिक्षण, शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र, तथा विद्यार्थियों के लिए डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता शामिल है।

सैमसंग खेल-किट प्रदान करेगा और स्कूलों में तमिल, अंग्रेज़ी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों वाली लाइब्रेरियां स्थापित करेगा। इसके साथ ही, कक्षा 12 के छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र, शिक्षा विशेषज्ञों के व्याख्यान और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों में समुदाय के साथ मिलकर महत्वपूर्ण दिनों और विशेष आयोजनों को मनाना भी कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, जिससे छात्रों में सामाजिक सहभागिता की भावना और मजबूत होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ कोट्टूरपुरम स्थित अन्ना सेंचुरी लाइब्रेरी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तमिलनाडु सरकार के माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री थिरू (श्री) डॉ. अन्बिल महेश पोय्यामोझी तथा कांचीपुरम और रणिपेट ज़िलों के जिला कलेक्टर उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने राज्य सरकार की स्टेम शिक्षा को सशक्त बनाने और डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

स्कैपिया ने मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म बोर्ड अपनी प्रमुख लीप ईयर पहल के पहले

चैप्टर को लॉन्च करने के लिए मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म बोर्ड से साझेदारी की

भोपाल। स्कैपिया, भारत के अग्रणी ट्रैवल फिनटेक प्लेटफॉर्म, ने मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म बोर्ड और मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के साथ साझेदारी में अपनी प्रमुख लीप ईयर पहल के पहले चैप्टर को लॉन्च किया। इसके तहत, लोगों को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 15 दिन बिताने का मौका मिलेगा जहां उन्हें वन्यजीव संरक्षण का शानदार अनुभव प्राप्त होगा। यह पहल चार महाद्वीपों में एक साल चलने वाली लंबी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। स्कैपिया के फाउंडर और सीईओ अनिल गोटेटी ने कहा, मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म बोर्ड के साथ सतपुड़ा में लीप ईयर के पहले चरण को लॉन्च करने के लिए साझेदारी करना एक अविश्वसनीय शुरुआत है। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है ङ्क जो उस यात्रा का जश्न मनाती है जिससे बदलाव आता है और युवा भारतीयों को जिज्ञासा, सहानुभूति और एक इरादे के साथ दुनिया की खोज करने में मदद मिलती है। दो विजेता, अन्नपूर्णा मड्डी और तनुका अग्रवाल, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 15 दिन बिताएंगी, जो भारत के सबसे जैव-विविध परिदृश्यों में से एक है, जहां वे सोहागपुर, पिपरिया और पचमढ़ी में स्थानीय समुदायों और वन विभाग के साथ काम करेंगी। उनका कार्यक्रम एमएसटीआरआईपीई ऐप का उपयोग करके फील्ड पैट्रोल में शामिल होना, वन्यजीव जनगणना, कंजर्वेशन प्रयासों का अध्ययन, स्वैच्छिक गांव पुनर्वास, मानव-वन्यजीव संघर्ष को खत्म करना, और अन्य समुदाय-नेतृत्व वाले पहलों को शामिल करता है। यह अनुभव भारत के वन पारिस्थितिक तंत्रों को बनाए रखने वाले कार्यों की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करता है और स्कैपिया के इस विश्वास को दिखाता है कि सार्थक यात्रा इस बारे में नहीं है कि आप कहां जाते हैं, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को कैसे आकार देती है। मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म बोर्ड के एडिशनल पीसीसीएफ एंड सीईओ श्री एल कृष्णमूर्ति ने कहा, मध्य प्रदेश में भारत में सबसे अधिक संख्या में टाइगर रिजर्व हैं, और ऐसी पहलें जंगली अनुभवों के बारे में जागरूकता और रुचि पैदा करती हैं। हम स्कैपिया के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हैं और यात्रियों को उनके अनुभव के माध्यम से सीखने, योगदान देने और आगे बढ़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ब्लैक फोर्ट रम बनी सोम समूह का सबसे तेज़ी से बढ़ता ब्रांड

भोपाल। सोम ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ का प्रीमियम डार्क रम ब्रांड, ब्लैक फोर्ट रम, भारत के हृदय प्रदेशों में उपभोक्ता मांग और मज़बूत वितरण नेटवर्क के साथ लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। यह ब्रांड वर्तमान में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में उपलब्ध है और वित्त वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट बिक्री दर्ज की है। फिलहाल, ब्लैक फोर्ट रम 25+ प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई, जगदलपुर, कटक, भुवनेश्वर, पुरी, राउरकेला, संबलपुर और बालासोर में उपलब्ध है। कंपनी आने वाले त्योहारी और सर्दी के मौसम में इन क्षेत्रों में अपनी पहुंच और मजबूत करने की योजना बना रही है। भारत के डार्क रम के प्रति लंबे समय से चले आ रहे प्रेम से प्रेरित,

ब्लैक फोर्ट रम को उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो परंपरा, गहराई और संतुलन को महत्व देते हैं। इस रम की खुशबू में कारमेल, वनीला, ओक, डार्क चॉकलेट और मसालों के नोट मिलते हैं, जबकि स्वाद में टॉफ़ी, भुने हुए मेवे, किशमिश और ड्राई फ्रूट्स का समृद्ध मिश्रण मिलता है, जो मीठे टोस्टेड हनी के संकेतों के साथ एक मुलायम बनावट प्रदान करता है। इसका गहरा भूरा रंग, फुल-बॉडी प्रोफाइल, और ओक, हनी तथा कारमेल के लंबे समय तक टिकने वाले नोट इसे एक शानदार सिपिंग अनुभव बनाते हैं—जो अनुभवी ड्रिंकर्स और प्रीमियम भारतीय रम के नए उपभोक्ताओं, दोनों के लिए आदर्श है। सोम ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ भारत के प्रमुख अल्कोहॉलिक बेवरेज निर्माताओं में से एक है, जो प्रीमियम बीयर, स्पिरिट्स और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों के विविध पोर्टफोलियो की पेशकश करता है। भोपाल, मध्य प्रदेश में मुख्यालय वाला यह समूह कई राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है और कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात भी करता है। महावत व्हिस्की, भीमबेटका सिंगल माल्ट, और लोकप्रिय बीयर ब्रांड जैसे हंटर, पावर कूल, ब्लैक फोर्ट और वुडपेकर्स सहित कई उत्पादों के लिए जाना जाने वाला सोम ग्रुप गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्ध है।

भारत से अपना कारोबार समेट रही कंपनी

रिटेल और वेल्थ बिजनेस को खरीदने की मची होड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक, डॉयचे बैंक के भारत में रिटेल और वेल्थ बिजनेस को खरीदने की दौड़ में आमने-सामने हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मन बैंक अपने इस सेगमेंट से बाहर निकलने की योजना बना रहा है, जो यूरोप के बाहर उसका एकमात्र रिटेल बाजार है। बता दें कि जर्मन बैंक द्वारा देश में इस राजस्व स्रोत को बेचने का यह आठ सालों में दूसरा प्रयास है।

डील में पर्सनल लोन, मॉर्टगेज लोन और करीब 25,000 करोड़ की वेल्थ मैनेजमेंट एसेट्स शामिल हैं। भारतीय रिटेल यूनिट ने एफवाई2025 में 2,455 करोड़ का राजस्व कमाया, जो पिछले वर्ष से 4 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 तक बैंक के रिटेल एसेट्स 25,038 करोड़ पर थे। दोनों भारतीय बैंकों ने पोर्टफोलियो का मूल्यांकन कर लिया है और अब वैल्यूएशन व अन्य शर्तों को लेकर बातचीत जारी है। सूत्रों ने बताया कि यह डील दोनों बैंकों को डॉयचे बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट स्पेस में मजबूत उपस्थिति का मौका दे सकती है, जो उनके विस्तार योजनाओं के अनुरूप है।

डॉयचे बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक ने इस रिपोर्ट पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। यह कदम डॉयचे बैंक के सीइओ क्रिश्चियन सेविंग की ग्लोबल पुनर्गठन योजना का हिस्सा माना जा रहा है। उन्होंने 2028 तक राजस्व को क37 बिलियन तक बढ़ाने और रिटर्न ऑन टैन्जिबल इक्विटी को 13 प्रतिशत से ऊपर ले जाने का लक्ष्य रखा है। अगर डील सफल होती है, तो डॉयचे बैंक भारत में अपनी 17 रिटेल शाखाएं बंद कर सकता है। यह कदम 2022 में सिटी बैंक के भारतीय रिटेल बिजनेस को एक्सिस बैंक को बेचने जैसे बड़े एग्ज़िट का प्रतिबिंब होगा। इससे पहले 2011 में डॉयचे ने अपना क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो इंडसइंड बैंक को बेच दिया था। शेयर बाज़ार में कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक दोनों का प्रदर्शन मजबूत रहा है। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 19 नवंबर को 2,105.90 पर बंद हुआ, जो उसके 52-सप्ताह के उच्च स्तर 2,301.90 के करीब है।

इसका मार्केट कैप 4.17 लाख करोड़ से अधिक है। वहीं, फेडरल बैंक का शेयर 247 के आसपास ट्रेड कर रहा है और यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका है, साथ ही यह पिछले एक वर्ष में 18 प्रतिशत बढ़ा है।

पीएम ई-ड्राइव योजना का कमाल, भारत बना सबसे बड़ा ई-तिपहिया बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत 2024 में वैश्विक इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन बाजार में 57 हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया है। ब्राजील में आयोजित कॉप-30 में जारी शून्य-उत्सर्जन वाहन संक्रमण रिपोर्ट के अनुसार, फेम और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं ने दोपहिया और तिपहिया वाहनों के तेज विद्युतिकरण में अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट बताती है कि इन नीतियों ने ईवी को किफायती बनाकर बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा दिया है।

प्राइवेट सेक्टर और सरकार की साझेदारी, अंतिम-मील डिलीवरी में ईवी का बढ़ता उपयोग और चार्जिंग ढांचे का विस्तार भारत को इस परिवर्तन का वैश्विक चालक बना रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अब मध्यम और भारी वाहनों के विद्युतिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

एक्सेलरेटिंग टू जीरो कोएलिशन की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि फेम और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं ने ईवी की शुरुआती लागत घटाकर उन्हें पेट्रोलङ्कडीजल वाहनों के मुकाबले

अधिक आकर्षक बनाया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत लगभग 25 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया और 3.2 लाख इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि वाहनों और चार्जिंग ढांचे के लिए 315 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता का प्रावधान है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपने सबसे बड़े मोटर सेगमेंट दोपहिया और तिपहिया का विद्युतिकरण प्राथमिकता से कर रहा है, जिससे उत्सर्जन में बड़ी कमी आएगी। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि वैश्विक नीतिगत उतार-चढ़ाव के बावजूद उभरते देशों में ईवी अपनाने की गति मजबूत बनी हुई है। भारत में भी ईवी बिक्री में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित भट्ट का कहना है कि पिछले साल भारत में बेचे गए सभी मोटर वाहनों में दोपहिया वाहनों का हिस्सा तीन-चौथाई से अधिक था। वास्तव में, दोपहिया और तिपहिया मिलकर कुल वाहन बिक्री का लगभग 80 फीसद थे। ऐसे में भारत अपने सबसे बड़े वाहन सेगमेंट के विद्युतिकरण को प्राथमिकता दे रहा है और इसके परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अब सरकार पीएम ई-ड्राइव योजना के माध्यम से एक कदम आगे बढ़ रही है और मध्यम तथा भारी-भरकम ट्रकों के विद्युतिकरण को तेज करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू कर रही है। ये वाहन कुल वाहन स्टॉक का केवल तीन फीसदी हैं, लेकिन परिवहन-संबंधी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 44 फीसदी योगदान देते हैं। नीति का यह बदलाव समयोचित और स्वागतयोग्य है।

सर्दियों में बच्चों की सेहत रहेगी चकाचक, खिलाएं ये सुपरफूड्स

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है, ऐसे में आप इन चीजों को खिलाकर आप उन्हें स्वस्थ और एक्टिव बना सकते हैं।

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि बच्चों को ठंड और संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा होता है। सही आहार देकर आप उनकी इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं। आप बच्चे को स्वस्थ और एक्टिव रखने के लिए किसी विकल्प की तलाश में है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ सुपर फूड्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं। आप उनकी डाइट में इन्हें शामिल कर कर ना सिर्फ इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते हैं ब्लिक सेहत के अन्य पहलुओं को भी बेहतर बना सकते हैं।

बच्चों की इम्यूनिटी कैसे मजबूत करें?

- बच्चे की डाइट में विटामिन ए और विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं,जो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इसके लिए आप बीटरूट खिला सकते हैं। इसमें विटामिन ए और सी दोनों होते हैं। गाजर, आंवला संतरा कीवी, शकरकंदी, यह सभी इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले फल हैं।
- बच्चे को नट्स और सीड्स जरूर दें। यह बेहतरीन पोषण का स्रोत होते हैं। इनमें हेल्दी फैट्स होते हैं जो ना इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं बल्कि शरीर के विकास के लिए भी जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। बादाम और अखरोट खिलाएं। इसके अलावा चिया सीड्स भी खिलाएं। इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड और फाइबर होते हैं। अगर आपके बच्चे की उम्र 3 साल से कम है तो नट्स को भिगोकर उसका छिलका उतार लें, फिर पेस्ट बनाकर डाइट में ऐड करें।
- बच्चों की डाइट में प्रोबायोटिक्स जरूर शामिल करें। इसके लिए दही केफिर फर्मेंटेड फूड्स खिलाएं, इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है। पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है।

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

डायबिटीज मेलिटस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। यह दो मुख्य प्रकारों में पाया जाता है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज।

डायबिटीज एक गंभीर रोग है, यह खराब लाइफस्टाइल जीने का परिणाम होता है,यह समस्या तब होती है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता है याशरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता है, इससे शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है जिसके कारण कई तरह की दिक्कतें होने लगती है। आज इस बीमारी के बार में बच्चा बच्चा जानता है, लेकिन क्या आप डायबिटीज मेलिटस के बारे में जानते हैं। आइए जानते हैं क्या होता है डाइबिटीज मिलेटस।

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

एक्सपर्ट बताते हैं कि जब शरीर में ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है तो यह यूरिन के जरिए निकने लगता है, जब ग्लूकोज यूरिन से निकलने लगता है तो उसे कहते हैं ग्लाइकोसुरिया साथ में उसका बैलेंस करने के लिए सेल्स में से वॉटर भी एक्सरीट होता है। इससे शरीर में यूरिन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है जिसे पॉली यूरिया के नाम से जाना जाता है। इस स्थिति में आपको बार–बार यूरिन पास करने की इच्छा होती है। यह डायबिटीज मेलिटस के लक्षण होते हैं।

कैसें करें बचाव?

- सही लाइफस्टाइल का चुनाव
- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।
- फाइबर रिच डाइट लें।
- ब्लड शुगर की निगरानी करें

कब पड़ती है इंसुलिन लेने की जरूरत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है। इसे बोलचाल की भाषा में शुगर का जाता है। डायबिटीज सब होता है जब आपका शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है या शरीर इसका उपयोग नहीं कर पाता है। डायबिटीज का कोई परमानेंट इलाज नहीं है। इसे आप सही जीवन शैली और दवाई लेकर करके कंट्रोल में कर सकते हैं। वहीं कुछ कंडीशन में मरीज को इंसुलिन भी दिया जाता है। आइए जानते हैं डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है इस बारे में हम जानकारी दे रहे हैं।

डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है?

डायबिटीज दो प्रकार की होती है। एक टाइप 1 डायबिटीज है और दूसरा टाइप 2
टाइप 1 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जब शरीर इंसुलिन का उत्पादन करना पूरी तरह से बंद कर देता है। टाइप 1 डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत होती है, क्योंकि शरीर में नेचुरल रूप से इंसुलिन का निर्माण नहीं हो पता है। यह आमतौर पर बच्चों या युवा लोगों में होता है। बता दे की इंसुलिन एक हार्मोन है जो शरीर में ग्लूकोज यानी कि शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है। अगर टाइप 2 डायबिटीज में डायबिटीज कंट्रोल नहीं हो पाता है तब भी इंसुलिन दिया जाता है।
इंसुलिन थेरेपी को आमतौर पर तब शुरू किया जाता है जब प्रारंभिक फास्टिंग प्लाजमा ग्लूकोज 250 से अधिक हो या HbAvc 10% से अधिक हो। इंसुलिन आमतौर पर तब आवश्यकता होती है जब रक्त शर्करा का स्तर 200 से ऊपर हो। हालांकि यह निर्णय डॉक्टर पर निर्भर करता है कि इंसुलिन कब शुरू करना है। डॉक्टर आपके रक्त शर्करा के स्तर,लक्षणों और अन्य स्वास्थ्य कारकों को ध्यान में रखते हुए इंसुलिन थेरेपी शुरू करने का निर्णय लेते हैं।

डाइट में शामिल करें इस हरे पत्ते का पानी, मिलेंगे ये फायदे

बथुआ का पानी आपके डाइजेशन को बढ़ाता है, शरीर को डिटॉक्स करता है और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

साग कई प्रकार के होते हैं,जिनमें से एक है सर्दियों में मिलने वाला बथुआ का साग,यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे आमतौर पर सब्जी के रूप में खाया जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि अगर आप बथुआ साग का पानी पिएं तो आपकी सेहत को कितना लाभ होगा? आइए समझते हैं बथुआ साग का पानी पीने से क्या–क्या फायदे हो सकते हैं।

बथुआ का पानी पीने के फायदे

- बथुआ का पानी पीने से सर्दियों में आपकी इम्यूनिटी मजबूत हो सकती है। इसमें विटामिन ए, सी, एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।
- इसमें आयरन की भरपूर मात्रा होती है, ऐसे में अगर आपको खून की कमी है तो आप इसका पानी पी सकते हैं, इससे एनीमिया में फायदा हो सकता है। खून की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है।
- बथुए का पानी पीने से एसिडिटी कब्ज की समस्या में भी फायदा मिलता है इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है।

बथुआ का पानी कैसे तैयार करें?

- इसे बनाना बहुत ही आसान है, इसके लिए आप बथुआ को 3 से 4 पानी साफ से धो लें।
- अब एक बर्तन में पानी डाल कर बथुआ को उबाल लें
- तैयार है बथुआ का पानी आप इसे गर्म या ठंडा करके पी सकते हैं।

टूटे नाखून से लेकर रूखी हथेलियों तक, इन जरूरी चीजों की कमी का संकेत दे सकते हैं आपके हाथ

जब भी हमारे शरीर में किसी न्यूट्रिएंट्स की कमी होती है या शरीर में किसी बीमारी की शुरुआत होती है, तो इसके लक्षण साफ नजर आने लगते हैं। अगर आप इन लक्षणों को समय पर पहचान लें, तो आने वाले वक्त की मुश्किलों से बचा जा सकता है। आपके हाथ भी कई जरूरी चीजों के बारे में बताते हैं। नाखूनों का जल्दी टूटना, नाखूनों का पीला होना और भी कई चीजें, शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी का संकेत देती हैं।

सेहतमंद रहने के लिए, शरीर के सभी अंगों का ठीक से काम करना और शरीर में सभी विटामिन्स, मिनरल्स और हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। जब भी हमारे शरीर में किसी बीमारी के पनपने की शुरुआत होती है या किसी जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी होती है, तो इसके कुछ लक्षण शरीर में नजर आने लगते हैं। कमजोरी महूसस होना, हमेशा थकान रहना, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें या शरीर में दर्द रहना, ये कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज करते हैं। लेकिन, असल में ये चीजे सेहत से जुड़ी जरूरी जानकारी देती हैं। हमारे नाखून और हाथ भी सेहत से जुड़े कई इशारे करते हैं, जिन्हें समझकर अगर हम अपने डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें, तो हम सेहतमंद रह पाएंगे। हमारे हाथ सेहत के बारे में क्या कुछ कहते हैं और शरीर में किन जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी का इशारा करते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

- एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आपने नाखून क्रैक हैं यानी बीच–बीच में टूटे हुए हैं, तो शरीर में विटामिन बी7 (बायोटिन), विटामिन बी12 और कैल्शियम की कमी हो सकती है। इसकी वजह से नाखून कमजोर होने लगते हैं।
- अगर आपके नाखून पीले हो रहे हैं, तो आपको इस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। पीले नाखून, शरीर में आयरन की कमी यानी एनीमिया और लिवर के ठीक तरह से काम न करने को दिखाते हैं। अगर आपके नाखून अधिक पीले हैं, तो यह पीलिया का संकेत भी हो सकता है।
- सर्दियों में हाथों में रूखापन आम बात है। लेकिन, अगर आपके हाथ हमेशा ड्राई करते हैं, तो शरीर में हार्मोनल इंबैलेंसका संकेत हो सकता है। इसका मतलब है आपके शरीर में एस्ट्रोजन की कमी हो सकती है।
- अगर आपके हाथ बहुत अधिक ठंडे रहते हैं, तो यह शरीर में खून की कमीका संकेत हो सकता है। यह हाइपोथायराइड या लो थायराइड फंक्शन का भी संकेत हो सकता है।
- अगर आपके हाथ अक्सर कांपते रहते हैं, तो यह विटामिन–बी 12 की कमी या हाइपोथायराइड का संकेत हो सकता है।
- अगर आपकी उंगलियों या हाथों के ज्वाइंट्स में दर्द होता है, तो इसके पीछे शरीर में एस्ट्रोजन या कैल्शियम की कमी हो सकती है।
- अगर आपको हथेलियों पर पीले धब्बे नजर आए, तो यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़े होने का संकेत हो सकता है। यह लिवर के ठीक से काम न करने का संकेत भी हो सकता है।
- जिन लोगों को हाथों में सुई चुभती हुई महसूस होती हैं, उनके शरीर में विटामिन–बी की कमी हो सकती है।
- अगर आपके नाखूनों पर लाइने नजर आ रही हैं, तो यह जिंक या आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। इसकी वजह से नाखूनों पर सफेद पैचेज भी नजर आ सकते हैं।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

● सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

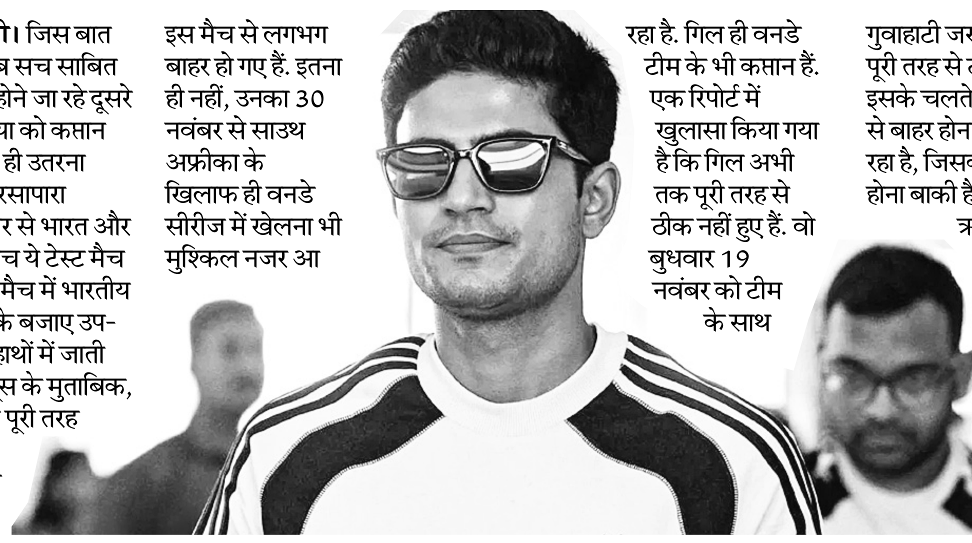

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है, जिसके पूरी तरह ठीक होने में और भी लंबा वक्त लग सकता है.

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली। होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बेडमिंटन

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन, क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर

क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी फाजर अलफियन और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री से होगा।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भारत -पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे। आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था। इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना

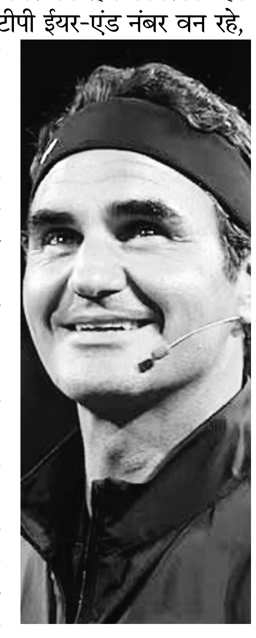

बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी

कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश; अब वनडे टीम में वापसी मुश्किल!

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- **पहला वनडे:** 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- **दूसरा वनडे:** 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- **तीसरा वनडे:** 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

अभिषेक-तिलक ने मिलकर भी वनडे सीरीज में नहीं बनाए ऋतुराज जितने रन, नितीश रेड्डी भी बुरी तरह फ्लॉप

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यू

तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे। वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

एशेज 2025-26: फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं।

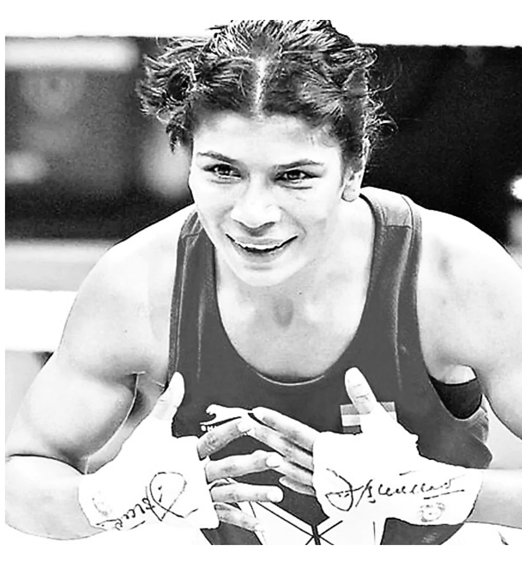

वर्ल्ड बॉक्सिंग कपः

भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए । भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे।

निकहत का अब शुआन से सामना- कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया।

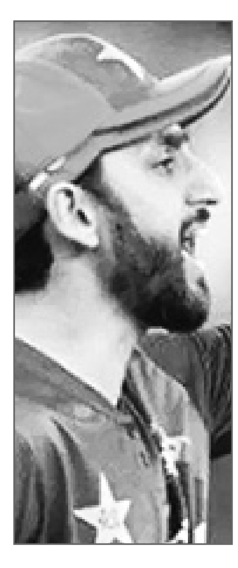

सलमान आगा की जाएगी कप्तानी? 12 महीने में ही ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान के सेलेक्टर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से हलचल तेज हो गई है. कई सारी खबरें और रिपोर्ट सामने आ रही हैं. बेशक वो अभी आधिकारिक नहीं हों मगर बिना आग के तो धुआं उठता नहीं है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ी पहली रिपोर्ट उसके टी20 कप्तान यानी सलमान आगा से उनकी कप्तानी के छिने जाने को लेकर है. वहीं दूसरी खबर टीम के सेलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट के हेड अजहर अली के इस्तीफे से जुड़ी है. पीसीबी की ओर से इन दोनों खबरों पर फिलहाल कुछ नहीं कहा गया है. मगर मीडिया रिपोर्ट्स में इसके पीछे की वजह का खुलासा भी साफ तौर पर किया गया है.

सलमान आगा से छीनी जा सकती है कप्तानी – पाकिस्तान की लोकल मीडिया में चर्चा गर्म है कि पीसीबी सलमान आगा से टी20 टीम की कप्तानी छिन सकती है. आगा से कप्तानी के छिने जाने की वजह उनका खराब फॉर्म है.

न्यूज डायरी

आईएएस अधिकारी पंकज को अतिरिक्त प्रभार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आईएएस अधिकारी श्री पंकज, जो वर्तमान में पानीपत में अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी तथा नगर निगम पानीपत के आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं, को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अब वे करनाल के अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी के साथ-साथ जिला परिषद करनाल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा डीआरडीए करनाल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का भी दायित्व निभाएंगे।

इस संबंध में आदेश मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी किए गए हैं।

नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाएं अधिकारी : स्वास्थ्य मंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने आज जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति पलवल की मासिक बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने बैठक के एजेंडा में शामिल 14 में से 10 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की हर एक समस्या को गंभीरता से लेकर उनका समाधान करवाना सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बैठक में आये एक मामले में भानू प्रकाश निवासी गांव लुलवाड़ी, प्रभु दयाल निवासी खचेरू, उषा रानी निवासी बल्लभगढ़, समस्त किसान गांव सीहा और गांव अल्लीका, डालचंद निवासी गांव खांबी, शिवकुमार निवासी गांव धतीर, चरण सिंह निवासी गांव कटेसरा, रोहताश निवासी गांव बढराम जयंती निवासी गांव बाजपुर कलां, त्रिलोक निवासी हथीन, असलम निवासी गांव पहाड़पुर, मंजू वशिष्ठ निवासी पलवल व विद्या सागर निवासी गांव बहरौला की शिकायतों की सुनवाई की।

उन्होंने विद्या सागर की शिकायत की सुनवाई करते हुए 60 दिन के अंदर-अंदर सूअर फार्म को आवास क्षेत्र से हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एक अन्य परिवादी असलम की जिला शिक्षा विभाग से संबंधित एक शिकायत की सुनवाई करते हुए आरोपी अध्यापकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केस में बिजली विभाग के अधिकारी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित शिकायतें स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के समक्ष प्रस्तुत की, जिनके उचित समाधान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

युवा पीढ़ी गीता के उपदेश को जीवन में आत्मसात करें : श्याम सिंह राणा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि युवाओं को गीता के उपदेश अपने जीवन में आत्मसात करने चाहिए।

श्री राणा आज अंतर्राष्ट्रीय श्रीमदभगवद् गीता जयंती समारोह-2025 के उपलक्ष में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यमुनानगर में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र एवं संस्थान के प्रधानाचार्य भूपिंदर सांगवान ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित मातृभूमि शिक्षा मंदिर एवं राजकीय औद्योगिक संस्थान, यमुनानगर के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाकर अपनी तकनीकी व रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन भी किया गया। इस प्रदर्शनी स्टाल का कृषि मंत्री ने निरीक्षण कर छात्राओं द्वारा बनाए गए प्रोडेक्टस आदि की प्रशंसा भी की। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता सभी ग्रंथों में एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें मनुष्य की सभी समस्याओं का समाधान है। संसार में ज्ञान से बढक़र कुछ नहीं है। हमारे संत महात्माओं ने चिंतन के बाद अध्यात्मिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया है और पवित्र गीता ग्रंथ दुनिया का एक मात्र ग्रंथ है, जिसमें जीवन के रहस्य तथा मनुष्य के मन में उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का उत्तर है।

हरियाणा में ब्लैक स्पॉट्स मार्च 2026 तक खत्म करने के मुख्यमंत्री के सख्त आदेश

- ओवरस्पीडिंग–ओवरलोडिंग पर बरतें सख्ती
- छात्रों की सुरक्षा से लेकर सड़क सुधार तक त्वरित कदम उठाए अधिकारी
- छात्रों के लिए अतिरिक्त बसें, निजी बसों में भी पास सुविधा अनिवार्य-मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बढ़ती छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि मॉर्निंग पीक टाइम में अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यकतानुसार बसों की संख्या बढ़ाई जाए और कम अंतराल पर बसें चलाकर विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि निजी बसों में भी सरकारी बसों की तर्ज पर स्टूडेंट पास सुविधा अनिवार्य रूप से दी जाए तथा किसी शिकायत की स्थिति में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी वीरवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्कूलों के बच्चों की सुरक्षा से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। अधिकारी स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों और बसों में लगे जीपीएस सिस्टम का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।

निश्चित समयसीमा तक ब्लैक स्पॉट्स समाप्त करें

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में मौजूद सभी ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को मिशन मोड में चलाते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि सड़क हादसों में स्पष्ट कमी लाई जा सके।

सड़क हादसे रोकने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों के समाधान और विभागों के समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो सभी मामलों की नियमित निगरानी कर दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों को तेज करे।

ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और चालान मॉनिटरिंग पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्पीड मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों का तुरंत चालान किया जाए। उन्होंने कहा कि तेज गति और लापरवाही हादसों के प्रमुख कारण हैं, इसलिए इनके खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सड़क संकेतक, स्पीड ब्रेकर और निर्माण कार्यों की निगरानी

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि लिंक रोड से मुख्य सड़क पर जुड़ने वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग ऐप के माध्यम से की जाए और जहां ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हों, वहां पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने गड्ढों को तत्काल भरने, डार्क स्पॉट्स पर तुरंत लाइटिंग सहित आवश्यक सुरक्षा सुधार करने और सड़क संकेतकों व चिह्नों को दोबारा स्पष्ट करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बसों के रुकने के लिए चिन्हित स्थानों पर बस क्यू–शेल्टर बनाए जाएं, ताकि बस सेवा व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके। उन्होंने नशे में गाड़ी चलाने पर रोक लगाने के लिए "ड्रिंक एंड ड्राइव" के विरुद्ध कड़े प्रवर्तन और जागरूकता स्लोगन लगाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि धुंध के मौसम को देखते हुए इस पर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिफ्लेक्टर लगाने के लिए नागरिकों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और जिला सड़क सुरक्षा समितियां इसे गंभीरता से लागू करें। मुख्यमंत्री ने सड़कों पर छोड़े जाने वाले गोवंश की समस्या पर चिंता जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पशुओं को सुरक्षित अभयारण्यों में रखा जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में स्पष्ट कमी दिखनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे गंभीरता और तत्परता से कार्य करें, ताकि प्रदेश की सड़कें अधिक सुरक्षित, बेहतर और जनहित में अधिक प्रभावी बन सकें। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, डीजीपी श्री ओ.पी. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर बैठक का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विकसित भारत-2047 की परिकल्पना के तहत भारत सरकार ने देश में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए 1 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना लागू की है जिसके तहत 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजन के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रूपए की प्रोत्साहन राशि रोजगार प्रादाताओं एवं रोजगार प्राप्तकर्ताओं को प्रदान की जाएगी। इस योजना के त्वतरित कार्यान्वयन के दृष्टिगत हरियाणा राज्य बड़े राज्यों को पीछे छोड़कर देशभर में चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

हरियाणा श्रम तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन की अध्यक्षता में आज इस योजना की जागरूकता के लिए कौशल भवन, पंचकूला में रोजगार मेले लगाने वाले तकनीकी शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, रोजगार विभाग, कौशल विभाग के अधिकारियों तथा आई.टी.आई. के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक का आयोजन हुआ।

प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन ने बताया कि इस योजना की संरचना में 2 मुख्य भाग है जिसमें यदि नये कर्मचारी ने ईपीएफओ 1 अगस्त, 2025 से 31 जुलाई, 2027 के बीच पंजीकरण किया हो, मासिक वेतन एक लाख रुपए से कम हो, ऐसे नये कर्मचारी को 15,000 रुपये तक 'कर्मचारी भविष्य निधि' में अतिरिक्त भत्ता दो किस्तों में भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि दूसरी किस्त वित्तीय साक्षरता कार्यकम से जुड़ी होगी। इस स्कीम में लाभ प्राप्त करने के लिए कर्मचारी को एक प्रतिष्ठान में 12 महीने $ सारक्षता मॉडयूल पूरा होना अनिवार्य है। रोजगार प्रादाताओं प्रतिष्ठान को लाभ प्राप्त करने के लिए 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन' में पंजीकृत होना चाहिए। यदि प्रतिष्ठान में 50 श्रमिकों से कम संख्या है तो दो या इससे अधिक पद सृजित करना तथा प्रतिष्ठान में यदि 50 से अधिक श्रमिकों की संख्या है तो पांच या उससे अधिक पद सृजित कर सकते हैं।

सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि सहकारिता आंदोलन ने दशकों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और समाज में एकजुटता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सहकारिता के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

राज्यपाल पंचकूला के यवनिका गार्डन में आयोजित 72वें सहकारिता सप्ताह के राज्य स्तरीय समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष यह समारोह सहकारिता एवं स्वदेशी मेला के रूप में आयोजित किया गया।

इससे पूर्व राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा और उनकी धर्मपत्नी डॉ रीटा शर्मा, ने सहकारी समितियों द्वारा स्थापित स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलस का अवलोकन किया। इस अवसर पर सहकारिता गाना (कोऑपरेटिव सोंग) भी लॉंच किया गया।

प्रो. घोष ने कहा कि यह आयोजन न केवल सहकारिता आदर्शों को समर्पित सप्ताह के समापन का प्रतीक है, बल्कि भारत के स्वदेशी उत्पादों की शक्ति, समुदायों की रचनात्मकता और हरियाणा की सहकारी संस्थाओं की सामूहिक उपलब्धियों को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कोऑपरेटिव जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण का इंजन हैं, जो आपसी सहयोग, सामूहिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

राज्यपाल ने कहा कि सहकारिता और स्वदेश मेला केवल उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के साहस, उम्मीदों और रोजमर्रा के प्रयासों की झलक है, जो मिलकर आर्थिक अवसरों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां महिलाएं वित्तीय आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, वहीं युवा नवाचार को व्यवसाय में बदल रहे हैं तथा किसान सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अपनी आय और उत्पादकता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पैक्स, डेयरी व चीनी मिल कोऑपरेटिव, शहरी कोऑपरेटिव बैंक और गांव स्तर की संस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि जब समुदाय मिलकर काम करते हैं, तो वे न केवल स्वयं को, बल्कि पूरे राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाते हैं। राज्य सरकार द्वारा डिजिटलाइजेशन, पारदर्शिता और क्षमता निर्माण पर दिए गए जोर से यह इकोसिस्टम और अधिक मजबूत हुआ है।

पंचकूला में सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त, ई-रिक्शा संचालन होगा नियमबद्ध

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त सतपाल शर्मा ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए निर्देश दिए कि पंचकूला में कोई भी ई-रिक्शा सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन न करे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नियम तोड़ने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त लघु सचिवालय सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर अंडर ऐज बच्चे ई-रिक्शा चलाते पाए गए हैं, जो दुर्घटना की आशंका को बढ़ाता है। उन्होंने पुलिस एवं परिवहन विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर ई-रिक्शा संचालन को नियमबद्ध करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

श्री शर्मा ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने में सीसीटीवी कैमरों की भूमिका पर जोर देते हुए नगर निगम को निर्देश दिया कि शहर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील अवस्था में हों। वर्तमान में पंचकूला में 473 कैमरे लगाए गए हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि खराब कैमरों की मरम्मत के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है और इस माह सभी निष्क्रिय कैमरे ठीक कर दिए जाएंगे। उन्होंने आगामी दिनों में धुंध की संभावना को देखते हुए पीएमडीएम, शहरी स्थानीय निकाय, एचएसआईआईडीसी, कृषि विपणन बोर्ड, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी और एचएसवीपी सहित सभी एजेंसियों को सड़क निर्माण व मरम्मत के दौरान सुरक्षा मानकों की अनिवार्य अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कमांड अस्पताल के पास अवैध रेहड़ी-फड़ी हटाने के आदेश

कमांड अस्पताल के सामने सड़क पर लगाए जा रहे अवैध फल रेहड़ी-फड़ी से यातायात बाधित होने की शिकायत पर उन्होंने पीएमडीए और पुलिस को संयुक्त अभियान चलाकर इन्हें हटाने के आदेश दिए।

फुटपाथों पर स्वच्छता और सुगमता करे सुनिश्चित

नगर निगम द्वारा बनाए गए फुटपाथों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी फुटपाथों पर स्वच्छता और सुगमता सुनिश्चित की जाए ताकि पैदल चलने वाले लोगों को असुविधा न हो।

बैठक में डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन, अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, सचिव आरटीए हैरतजीत कौर, सहायक सचिव शम्मी शर्मा, एसीपी सुरेंद्र, एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश जागृति, जिला राजस्व अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, डिप्टी डीईओ सुमन चौधरी सहित एनएचएआई, पीएमडीएम, शहरी स्थानीय निकाय, एचएसआईआईडीसी, कृषि विपणन बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, एचएसवीपी व अन्य विभागों के अधिकारी और समिति के गैर सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नेचर कैंप थापली में की मौज

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार की युवा-उन्मुख पहल के तहत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने वीरवार को पंचकूला स्थित नेचर कैंप थापली का दौरा किया। यह भ्रमण राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थलों और प्राकृतिक धरोहर से युवा पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से तैयार विशेष कार्यक्रम का भाग है।

युवा कल्याण सयोजक नरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के दौरान बताया कि सरकार ने विद्यार्थियों में पर्यटन, पर्यावरण और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के लिए दो-दिवसीय भ्रमण योजना बनाई है। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थी नेचर कैंप थापली के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र का भी भ्रमण करेंगे, जिसमें वे सांस्कृतिक गतिविधियों और धार्मिक-ऐतिहासिक महत्व का अध्ययन करेंगे।

नरेंद्र सिंह ने यह भी कहा कि सरकार युवा पीढ़ी को व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष बल दे रही है, ताकि विद्यार्थी पुस्तकों से परे वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक परिवेश, सांस्कृतिक आयोजनों और ऐतिहासिक स्थलों के प्रत्यक्ष अध्ययन से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने जानकारी दी कि यह विशेष कार्यक्रम 19 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक संचालित रहेगा, जिसमें प्रतिदिन हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थी भाग लेंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर शपथ लेने में सिरसा ने हासिल किया राज्य में पहला स्थान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा विरोधी शपथ कार्यक्रम में प्रदेशभर मे सिरसा जिला ने प्रथम स्थान हासिल किया है।

प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सिरसा जिले में अब तक 88,200 लोगों ने ऑफलाइन माध्यम से तथा 10,145 लोगों ने क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन माध्यम से नशा विरोधी शपथ ली है। साथ ही 1,200 अधिकारी एवं कर्मचारी, 25,000 महिलाएँ तथा 62,000 से अधिक युवाओं ने इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन प्रयासों के बल पर सिरसा ने राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने बताया कि सिरसा जिला के सभी विभागों विशेष रूप से शिक्षा, पुलिस, समाज कल्याण, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य, पंचायत तथा खेल आदि विभागों की टीम सहित सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्य किया है। अभियान में जिले की निरंतर उत्कृष्टता सभी विभागों के सामूहिक प्रयास और जनता के सहयोग का परिणाम है। जिला प्रशासन अभियान को और व्यापक रूप से लागू कर सिरसा को नशा मुक्त जिले का मॉडल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में लघु सचिवालय के सभागार में तथा जिला के प्रत्येक कार्यालय के कर्मचारियों को नशा के विरुद्ध शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पांच वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए नशा मुक्त भारत अभियान ने जन-जागरूकता की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने विभिन्न माध्यमों-रैलियों, कार्यशालाओं, जनसंवाद और डिजिटल अभियानो के जरिये समाज के सभी वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया है।

उन्होंने बताया कि सिरसा जिले में स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों व विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से निरंतर जागरूकता गतिविधियां चलाई गई हैं। युवाओं, महिलाओं और आमजन को नशा विरोधी संदेश से जोड़ने के लिए विशेष अभियान संचालित किए गए, जिनका सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

स्ट्रॉबेरी पब्लिक स्मार्ट स्कूल ने स्ट्रॉबेरी सांस्कृतिक उत्सव 2025 मनाया: जादू का परचम लहराया

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। स्ट्रॉबेरी पब्लिक स्मार्ट स्कूल द्वारा आयोजित स्ट्रॉबेरी सांस्कृतिक उत्सव 2025, 19 नवंबर को इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया और यह बेहद सफल रहा। इस कार्यक्रम में गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. आर.एस. सेठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत देवी सरस्वती के आह्वान से हुई, जिसके बाद प्रधानाचार्या सुश्री ज्योति अहलावत ने अपने हार्दिक स्वागत भाषण में सभी सम्मानित अतिथियों, अभिभावकों और छात्रों का हार्दिक अभिनंदन किया। तत्पश्चात, अकादमिक निदेशक सुश्री ज्योति खन्ना ने मंच संभाला और एक प्रेरक भाषण दिया जिससे छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिली।

प्रधानाचार्या सुश्री कमल चड्ढा ने विद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में शैक्षणिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में विद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख किया गया, जिससे एक सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करने की विद्यालय की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

इस कार्यक्रम में छात्रों ने संगीत, नृत्य और नाटक सहित कई प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम का एक मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा किया गया मनमोहक मशाल नृत्य था, जिसने मंच को जगमगा दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लयबद्ध गति और समन्वित कदमों ने छात्रों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत को उजागर किया, जिससे दर्शकों ने उन्हें ज़ोरदार तालियाँ दीं।

छात्रों ने एक आकर्षक अंग्रेजी नाटक के माध्यम से अपने भाषाई कौशल का भी प्रदर्शन किया, जिसमें एक मार्मिक कहानी को जीवंत किया गया, जिसने जीवन के महत्वपूर्ण सबक और मूल्यों पर प्रकाश डाला। कलाकारों ने पूरे विश्वास और जुनून के साथ अपनी संवाद प्रस्तुत किए, जिससे दर्शकों का मन मोह लिया और अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए प्रशंसा अर्जित की।

छात्रों ने एक मनमोहक कृष्ण लीला प्रस्तुत की, जिसमें भगवान कृष्ण के दिव्य जीवन और शिक्षाओं को दर्शाया गया। ऊर्जावान प्रदर्शन, जीवंत वेशभूषा और मधुर संगीत ने दर्शकों को पौराणिक कथाओं की दुनिया में पहुँचा दिया, जिससे वे मंत्रमुग्ध और प्रेरित हुए। कृष्ण लीला में छात्रों द्वारा द्रौपदी के प्रतिष्ठित चरित्र का चित्रण विशेष रूप से उल्लेखनीय था, क्योंकि उन्होंने महान रानी की शक्ति, साहस और गरिमा को बड़े आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रोहन सहित सभी छात्रों ने कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने अपने आत्मविश्वास, करिश्मा और भाषण कौशल का प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में सहजता से प्रस्तुति दी और दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा। अध्यक्ष श्री सुनील चड्ढा और निदेशक श्री गौरव चड्ढा भी उपस्थित थे, जिन्होंने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया।